वर्ष : 06, अंक : 48
नई दिल्ली
मंगलवार, 14 अप्रैल से 20 अप्रैल-2020
मूल्य रू 3/-
पृष्ठ : 8

ओपन सर्च

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

RNI No. : DELHIN/2014/56301

खबर दुनियाँ की, आइना समाज का

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

सीता के अवतार में बदली उर्वशी...पृष्ठ 8

एक नज़र

केंद्र से एक स्वर में हो गरीबों के बैंक खाते में पैसे जमा करने की मांग : चिदंबरम

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व वित्तमंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को एक स्वर में गरीबों के बैंक खातों में नकद पैसा भेजने की केंद्र सरकार से मांग करनी चाहिए। श्री चिदंबरम ने शनिवार को यहां कहा कि गरीबों के समक्ष लॉकडाउन के कारण रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। गरीब इससे दाने दाने का मोहताज हो गया है और लोग निशुल्क भोजन पाने के लिए कतारों में खड़े होने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि इन गरीबों की सबको चिंता करनी चाहिए और उनके खाते में पैसे जमा कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक स्वर में मांग करनी चाहिए। श्री चिदंबरम ने श्री मोदी के साथ आज होने वाली मुख्यमंत्रियों की बैठक से पहले यह आग्रह किया। उनका कहना था कि इस मद पर 65000 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इससे सरकारी खजाने पर बहुत असर नहीं होगा।

अध्ययन में पाया कि देश में कोरोना से संक्रमित होने वालों में ज्यादातर पुरुष

नई दिल्ली। देश में कोरोना कोरना वायरस तेजी से फैल रहा है, लेकिन इसमें ज्यादातर पुरुष ही संक्रमित हो रहे है। एक शोध में यह पाया गया है कि भारत में 83 प्रतिशत मरीज पुरुष हैं। उनमें भी 81 प्रतिशत मरीज 50 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। यह नतीजे इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के वैज्ञानिकों के कोरोना मरीजों पर किए गए अध्ययन के हैं। इस अध्ययन में आईसीएमआर के 20 वैज्ञानिकों ने देश के 20 राज्यों के 52 जिलों में भर्ती 5911 ऐसे मरीजों का परीक्षण किया जिन्हें सांस लेने में गंभीर समस्या थी। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि भारत में कोरोना वायरस के मरीजों की औसत उम्र 54 वर्ष है और इनमें से 83.3 प्रतिशत पुरुष है। इसका अर्थ है कि कोरोना संक्रमित महिलाएं 16.7 प्रतिशत हैं। इन मरीजों में 81 प्रतिशत से अधिक लोगों की उम्र 50 वर्ष से ऊपर थी। हालांकि 14वें सप्ताह में किए गए इस अध्ययन में सांस की बीमारी के मरीजों में से केवल 2.6 प्रतिशत लोगों को ही कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया।

सीएटी के पास वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सुनवाई करने के लिए नहीं है बुनियादी ढांचा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के सेवा संबंधित मामलों का फैसला करने वाले केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (सीएटी) को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई करने में बुनियादी ढांचे की कमी के कारण लॉकडाउन के दौरान मुकदमों की सुनवाई करने में मुश्किलें आ रही हैं। केंद्र ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए 25 मार्च से 21 दिन का बंद लागू किया था। इस संक्रामक रोग से देश में 239 लोगों की मौत हो गई और 7,447 लोग संक्रमित हो गए हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, बंद के कारण अधिकरण के लिए काम करना असंभव हो गया हो गया क्योंकि न तो वकील और न ही सीएटी कर्मचारी काम करने की स्थिति में हैं।कार्मिक मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा, ''सबसे पहले वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सुनवाई करने का विकल्प मौजूद नहीं है क्योंकि इसके लिए आवश्यक उपकरण नहीं है और दूसरा बंद के कारण इसे खरीदना संभव नहीं है।'

कोरोना पर काबू के लिए अगले तीन-चार सप्ताह अत्यंत महत्वपूर्ण : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री की राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में लॉकडाउन के मुद्दे पर केंद्रित है चर्चा

नयी दिल्ली.एजेंसी।

कोराना वायरस (कोविड-19) महामारी के खिलाफ संघर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल तक के देशव्यापी पूर्णबंदी को बढ़ाये जाने के संकेत देते हुए शनिवार को कहा कि कोरोना विषाणु के संक्रमण का खतरा कम नहीं हुआ है और सरकार के कदमों के प्रभाव के आकलन के लिए आगामी तीन से चार सप्ताह का समय बहुत महत्वपूर्ण है। श्री मोदी ने कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थिति और इससे निपटने के लिए आगे की रणनीति पर विचार विमर्श के लिए यहां सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक की थी। इससे पहले 20 मार्च और दो अप्रैल को भी प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथ इसी विषय पर वीडियो कांफ्रेन्स के जरिये संवाद किया था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक में पश्चिम बंगाल, दिल्ली और महाराष्ट्र सहित ज्यादातर राज्यों ने प्रधानमंत्री से देशभर में 14 अप्रैल तक जारी पूर्णबंदी की 21 दिन की अवधि को दो सप्ताह तक और बढ़ाने का अनुरोध किया है। केन्द्र सरकार राज्यों के इस अनुरोध पर विचार कर रही है।सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने माना कि केन्द्र और राज्यों के समन्वित प्रयासों से कोराना के प्रभाव को कम करने में निश्चित रूप से मदद मिली है लेकिन स्थिति तेजी से बदल रही है और इसलिए इस पर सतत निगरानी बहुत जरूरी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले तीन से चार सप्ताह सरकार के कदमों के प्रभाव के आकलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस चुनौती का सामना करने में टीमवर्क बहुत अहम है। श्री मोदी ने आश्वासन दिया कि भारत के पास आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडारण है और डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों आदि सभी अग्रिम कार्यकर्ताओं के लिए सुरक्षा उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाये गये हैं। प्रधानमंत्री ने कालाबाज़ारी और जमाखोरी के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी और डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों आदि के साथ दुर्व्यवहार तथा पूर्वोत्तर एवं जम्मू कश्मीर के विद्यार्थियों के साथ दुर्व्यवहार पर कड़ी नाराज़गी व्यक्त की और कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने पूर्णबंदी और सामाजिक दूरी का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने पूर्णबंदी को खत्म करने की योजना की चर्चा करते हुए कहा कि राज्यों के बीच यह सहमति है कि पूर्णबंदी की अवधि को दो सप्ताह और बढ़ाया जाये।

लॉकडाउन के बीच केंद्रीय मंत्रियों को मंत्रालय से कामकाज फिर शुरू करने को कहा गया : सूत्र

जॉइंट सेक्रटरी और इससे ऊपर रैंक के अधिकारी भी सोमवार से मंत्रालयों में शुरू करेंगे काम

सभी स्टाफ के बजाय एक तिहाई जरूरी स्टाफ के साथ मंत्रालयों से होगा काम : सूत्र

पीएम मोदी ने अब कहा 'जान भी, जहान भी' है

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस 'कोविड-19' से देश को उबारने में धैर्य के साथ बहुस्तरीय नेतृत्व प्रदान कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की प्राचीन अवधारणा वसुधैव कुटुम्बकम को पुन- प्रतिपादित करते हुए शनिवार को 'जान है तो जहान है' के स्थान पर नयी कहावत देश की कि 'जान भी, जहान भी' है। श्री मोदी ने शनिवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ पूर्णबंदी को लेकर वीडियो कांफ्रेंस के जरिए चार घंटे तक विचार-विमर्श किया। इस दौरान पूर्णबंदी को 14 अप्रैल के बाद भी बढ़ाने का निर्णय लगभग किया जा चुका है और उम्मीद है कि अगले एक-दो दिनों में श्री मोदी इसका एलान करेंगे। बैठक के बाद कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इसका संकेत भी दे दिया। प्रधानमंत्री ने 18 दिन पहले 22 मार्च को जब 21 दिन की पूर्णबंदी का एलान किया था, तब उन्होंने कहा था, 'जान है तो जहान है' लेकिन कोरोना वायरस के खौफ के साए में जी रही पूरी दुनिया के चिंतन में अपने जो हाल ही श्री मोदी ने आज कहा 'जान भी, जहान भी' है।

opensearch

देश में कोरोना के 768 नये मामले, 36 की मौत

नयी दिल्ली.एजेंसी। देश में शुक्रवार से आज शाम तक कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमितों की संख्या में 768 का इजाफा हुआ है और इस दौरान इस संक्रमण के कारण 36 लोगों की मौत हो गयी। कोरोना के 768 नये मामले सामने आने के साथ ही अब तक इसके कुल 7529 मामलों की पुष्टि हुई है जिनमें 71 विदेशी मरीज शामिल हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण से पिछले 24 घंटे के दौरान 36 और लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 242 हो गया है। कोरोना संक्रमित 653 लोग स्वस्थ भी हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार शाम को जारी आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस का प्रकोप देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुका है। कोरोना वायरस से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में अब तक 1574 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 110 लोगों की मौत हो गयी है। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे के दौरान 13 लोगों की मौत हुयी और 210 लोग संक्रमित हुए हैं।

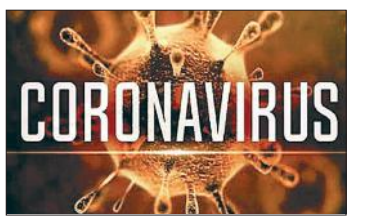

संक्रमितों की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर तमिलनाडु है जहां 911 लोग इससे पीड़ित हुए हैं और आठ लोगों की मौत हुई है। इसके बाद दिल्ली में सबसे अधिक 903 लोग संक्रमित हैं और 14 लोगों की मौत हुई है। दिल्ली में पिछले 24 घंटे के दौरान 183 लोग संक्रमित पाये गये और दो लोगों की मौत हुई है।

डेली वेज वर्कर्स की मदद कर रही है जैकलीन

मुंबई.एजेंसी। कोरोना से जारी जंग के बीच बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस श्रीलंका जैकलीन फर्नांडीस डेली वेज वर्कर्स की मदद कर रही है। देश में लागू 21 दिन के लॉकडाउन में रोजाना कमा कर खाने वाले लोगों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ा संकट खड़ा हो गया है। जैकलीन ने डेली वेज वर्कर्स को फंड दिया है। इससे मुंबई की 2500 फैमिलीज को जरूरत का सामान मिलेगा। जैकलिन ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि जो लोग संक्रमित और परेशान हैं, अधिकारी उनकी मदद कर रहे हैं। कई लोग डरे हुए हैं जैसे कि दुनिया खत्म होने वाली है। उन्हें शायद पता नहीं है कि देखभाल करने के लिए स्पेशलिस्ट मौजूद हैं। जैकलिन सोशल मीडिया से लोगों को घरों में रहने के लिए भी कहती रही हैं।

आईओए के जरिये इकट्ठा हो चुके हैं 10 करोड़

नयी दिल्ली.एजेंसी।

देश में कोरोना वायरस कोविड-19 के खतरे से निपटने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अपने खेल संघों और अन्य सदस्यों के जरिये 10 करोड़ से ज्यादा राशि इकट्ठा कर ली है जिसे प्रधानमंत्री राहत कोष में दिया जाएगा। आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आईओए के आह्वान पर देशभर के खेल संघों ने यह राशि एकत्र की है और यह सिलसिला बना हुआ है। उन्होंने बताया कि कुछ राशि प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा कराई जा चुकी है, कुछ संघ सीधे भी जमा करा रहे हैं जबकि बाकी राशि अगले कुछ दिनों में जमा करा दी जायेगी। मेहता ने बताया कि अब तक 10 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्र की जा चुकी है। इसमें हाकी इंडिया ने एक करोड़, ओमप्रकाश शर्मा (दिल्ली ट्रायथलन संघ) ने दो करोड़, भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के बीपी वैश्य ने 1.50 करोड़, भुवनेश्वर कलिता (आईकेसीएए-एओए) ने 1.10 करोड़, राज्यसभा सांसद और महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम ने एक करोड़ और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने 25 लाख का सहयोग किया है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने 11 लाख, भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने 10 लाख, भारतीय पुरुष फुटबाल टीम ने 50 लाख, राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने 26 लाख, बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने 10 लाख और पूर्व हॉकी कप्तान धनराज पिल्लै ने 10 लाख रुपये का सहयोग किया है। भारतीय खो-खो महासंघ और भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने 11-11 लाख, इंडियन गोल्फ यूनियन और भारतीय बैडमिंटन संघ ने 10-10 लाख, इंडियन कयाकिंग और कैनोइंग एसोसिएशन ने आठ लाख, जिमनास्टिक फेडरेशन ने साढ़े पांच लाख, टेबल टेनिस महासंघ, तलवारबाजी महासंघ और वालीबाल फेडरेशन ने पांच-पांच लाख रुपये का योगदान दिया है। राज्य ओलम्पिक संघों में उत्तराखंड ने 5 लाख, केरल ने 3 लाख, बंगाल ने 3 लाख, झारखंड ने 2 लाख, कर्नाटक ने 1.50 लाख, उत्तर प्रदेश ने 1.01 लाख, बिहार ने एक लाख, हिमाचल प्रदेश ने एक लाख, असम ने एक लाख, जम्मू-कश्मीर ने एक लाख, तमिलनाडु ने एक लाख, और अरुणाचल ने एक लाख रुपये का योगदान दिया है।

अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री को दिया लॉकडाउन बढ़ाने का सुझाव

नई दिल्ली.एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शनिवार को विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में लॉकडाउन को कम से कम दो सप्ताह तक बढ़ाने का सुझाव दिया है। कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए देशभर में 21 दिन का बंद है, जिसकी अवधि 14 अप्रैल को समाप्त हो रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक करके इस बारे में उनके विचार जाने कि क्या बंद को बढ़ाया जाना चाहिए अथवा नहीं।

बैठक में सिंह ने मोदी को बंद को बढ़ाने का सुझाव दिया साथ ही साथ पंजाब के लोगों के लिए स्वास्थ्य और राहत संबंधी कई उपाय भी सुझाए। उन्होंने कहा कि संक्रमण के मामलों की दर अभी अनिश्चित है और देश को इससे पार पाने की लंबी लड़ाई लड़नी है। चीन और कई यूरोपीय देशों की हालत को देखते हुए बंद बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने बैठक में बताया कि पंजाब सरकार ने एक मई तक कर्फ्यू लगाने अथवा पूरी तरह बंद लागू करने का पहले ही निर्णय ले लिया है। सभी शिक्षण संस्थान 30 जून तक बंद रहेंगे।

दिल्ली में मास्क लगाए बिना बाहर गए तो होगी 6 महीने तक की कैद

नई दिल्ली.एजेंसी।

दिल्ली सरकार ने नोटिफिक्रेशन जारी कर कहा है कि घर से बाहर जाने पर फेस मास्क लगाना जरूरी है। इस आदेश को ना मानने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और नियमों के उल्लंघन पर छह महीने तक की सजा भी हो सकती है। नोटिफिक्रेशन में कहा गया है कि सरकार के इस आदेश को नहीं मानने वालों के खिलाफ आईपीसी के सेक्शन-188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस सेक्शन के मुताबिक अगर किसी सरकारी आदेश या सरकारी अधिकारी के आदेश की अवहेलना की जाती है तो ऐसा करने वाले को एक महीने कैद या जुर्माना हो सकता है। अगर ऐसा करने यानी सरकारी आदेश की अवहेलना से किसी की जिंदगी खतरे में आती ही तो छह महीने तक कैद या एक हजार रुपये तक जुर्माना हो सकता है। अब घर से बाहर जाने वाले हर शख्स को मास्क पहन कर जाना जरूरी होगा। चाहे अब अस्पताल जा रहे हैं, ऑफिस या फिर गली में जा रहे हैं तो फेस मास्क पहनकर ही जाना होगा। आदेश में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति घर से बाहर जाएगा तो उसे 3 प्लाई मास्क या कपड़े का मास्क पहनना अनिवार्य होगा। कोई भी व्यक्ति अपने निजी या आधिकारिक गाड़ी में भी होगा तो भी मास्क पहनना होगा। मीटिंग में जाने वाले अधिकारियों को भी मास्क पहनकर ही जाना होगा।

बंगाल में लॉकडाउन 30 अप्रैल तक बढ़ा, शैक्षणिक संस्थान 10 जून तक बंद

कोलकाता.एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस (कोविड-19) के फैलाव को रोकने के लिए लगाये गये लॉकडाउन की अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ा दी गयी है जबकि शैक्षणिक संस्थान 10 जून तक बंद रहेंगे।राज्य में कोरोना वायरस के छह नये मामले सामने आने के बाद इसके मरीजों की संख्या बढ़कर 95 हो गयी है और अब तक पांच संक्रमितों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हुई बैठक के बाद कहा कि राज्य में लॉकडाउन 30 अप्रैल तक जारी रहेगा तथा सभी शैक्षणिक संस्थान अगले 10 जून तक बंद रहेंगे। श्री मोदी ने कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थिति और इससे निपटने के लिए आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श के लिए शनिवार को सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक की थी।

उन्होंने बताया कि राज्य के कुल 95 सक्रिय मामलों में से 70 मामले 20 परिवारों से जुड़े हैं। उन्होंने राज्य में कोरोना के सामुदायिक प्रसार से इन्कार करते हुए कहा कि अब तक सामने आये सभी मामले परिवार केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 5000 लोगों को क्वारंटीन में रखा गया है।

केजरीवाल ने दिया 30 अप्रैल तक लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने का सुझावः सूत्र

नई दिल्ली.एजेंसी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत में शनिवार को सुझाव दिया कि देशभर में लागू किए गए लॉकडाउन की अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ाई जानी चाहिए। सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल का मानना है कि 14 अप्रैल तक के लिए लागू 21 दिवसीय बंद की अवधि केवल दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे देश में बढ़ाई जानी चाहिए। सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल ने प्रधानमंत्री के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत में कहा, ''केवल दिल्ली में बंद की अवधि बढ़ाने से कोई फायदा नहीं होगा।'' उल्लेखनीय है कि भारत में कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिये जारी कोशिशों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग से चर्चा की। प्रधानमंत्री ने इस दौरान मुख्य रूप से इस बात पर मुख्यमंत्रियों की राय ली कि संक्रमण रोकने के लिये 21 दिनों के देशव्यापी बंद को 14 अप्रैल से आगे बढ़ाया जाए या नहीं। समझा जाता है कि केंद्र सरकार ने इस महामारी को फैलने से रोकने के प्रयासों में शामिल सभी पक्षकारों और संबंधित एजेंसियों की भी राय ली है।

मास्क वितरण जन अभियान बना

जयपुर। विप्र फाउंडेशन का देशभर में कोरोंना के खिलाफ मास्क वितरण अभियान ज़न अभियान बन गया है. विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता प. विमलेश शर्मा ने बताया कि अभियान के समापन के बाद भी मास्क वितरण अभियान अनवरत चल रहा है. विप्र फाउंडेशन के प्यारे लाल शर्मा ने शनिवार को कृषि मंत्री लाल चंद कटारिया को 500 मास्क भेंट किये।

तालाबंदी कितनी हटे?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सभी लोग यह सोच रहे हैं कि 15 अप्रैल से तालाबंदी उठेगी या नहीं ? इस सवाल का जवाब हां या ना में, दोनों ही ठीक नहीं होगा। क्योंकि यह जारी रहती है तो देश के 60-70 करोड़ लोग बेरोजगार हो जाएंगे। वे अपनी रोजी-रोटी को तरस जाएंगे। सरकारें और समाजसेवी संस्थाएं उन्हें घर बैठे-बैठे कब तक खिला सकती हैं ? अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं का कहना है कि भारत की सकल विकास दर 5 प्रतिशत से गिरकर 2 प्रतिशत तक हो सकती है। खेती, कल-कारखानों और व्यापार को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई में बरसों बीत जाएंगे। निराशा, उदासीनता और अंधकारमय भविष्य के डर से नागरिकों में जो मानसिक बीमारियां फैलेंगी, उनके कारण अपराधों में अपूर्व वृद्धि हो सकती है। तो क्या करें ? क्या तालाबंदी एकदम उठा ली जाए ? यह अब तक शायद उठा ली जाती लेकिन जमाते-तबलीगी की मेहरबानी से कोरोना अब गांव-गांव तक फैल गया है। जिस बीमारी ने शुरु में सिर्फ विदेश-यात्रियों और उनके निकट लोगों को छुआ था, वह अब रिक्शावालों, रेहड़ीवालों और झोपड़पट्टीवालों तक फैल गई है। कुछ अकड़ और कुछ गलतफहमी के शिकार जमाती अब भी अपनी हरकतों से बाज़ नहीं आ रहे हैं। डर यही है कि यदि सरकारें तालाबंदी एकदम हटा लें तो कहीं भारत में भी इटली और अमेरिका-जैसा विस्फोट न हो जाए लेकिन सरकारों को यह भी देखना होगा कि यह तालाबंदी कहीं कोरोना से भी ज्यादा जानलेवा सिद्ध न हो जाए। इसीलिए बेहतर होगा कि सरकारें और आम जनता अतिवाद से बचे। मध्यम मार्ग अपनाए। अभी मुश्किल से दो दर्जन जिले सारे देश में ऐसे कोरोनाग्रस्त है, जिनमें पूर्ण कर्फ्यू लगाया जा सकता है। उनमें आना-जाना बिल्कुल बंद हो। लगभग 200 जिलों को आंशिक रुप से खोला जा सकता है और 400 जिले ऐसे हैं, जिनमें नागरिक सारी सावधानियां बरतते हुए अत्यंत अनिवार्य और अपरिहार्य काम करें।

कोरोना पर मंत्री समूह की संस्तुति पर अभाविप ने प्रधानमंत्री को दिए सुझाव

नई दिल्ली.एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (अभाविप) ने केंद्र सरकार द्वारा कोरोना वायरस से निपटने के लिए केंद्रीय मंत्रियों के समूह की संस्तुतियों पर अपने सुझाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे हैं। अभाविप ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों की प्रवेश परीक्षा की तिथि तथा शोधार्थियों के शोध जमा करने की तिथि को आगे बढ़ाने, स्थिति सामान्य होने पर 15 मई के बाद तुरंत कक्षाएं शुरू कर परीक्षा लेने का सुझाव दिया। इसके अलावा सामाजिक जीवन के संदर्भ में जनजातीय क्षेत्र में रहने वाले और दिहाड़ी मजदूरों की आय के विषय में उचित विचार करना, अनाज व आवश्यक सामान के वाहनों की आवाजाही तथा चालकों की सुरक्षा पर विचार करने संबंधी आदि मुद्दों पर ज्ञापन प्रेषित किया गया। अभाविप की राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण को बढ़ने से रोकने के लिए आवश्यक है कि सार्वजनिक एकत्रीकरण के स्थानों को 15 मई तक बंद रखा जाए। साथ ही तालाबन्दी के समय में विद्यार्थियों की शिक्षा बाधित न हो और विद्यार्थियों के इस अकादमिक सत्र की समस्याओं का समयुचित निवारण किया जाए। दरअसल, केन्द्रीय मंत्रियों की समिति ने '14 अप्रैल के बाद आने वाले 4 सप्ताहों तक विद्यालय, महाविद्यालय, शॉपिंग मॉल्स, धार्मिक स्थलों तथा सामाजिक आयोजनों में रोक लगाने' को अति आवश्यक कदम मानते हुए अकादमिक तथा सामाजिक जीवन में उत्पन्न होने वाली समस्याओं के निवारण के लिए 21 सूत्रीय सुझावों की संस्तुति की है।

कोविड के चलते 15 जून तक बंद रहेगा जलियांवाला बाग स्मारक

नई दिल्ली। अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग स्मारक के नवीनीकरण का काम पर कोरोना का असर देखने को मिल रहा है। कोरोना के चलते देश में चल रहे लॉकडाउन के चलते वहां नवीनीकरण का सारा काम ठप पड़ा है। लिहाजा संस्कृति मंत्रालय ने अब इसे 15 जून तक बंद रखने का फैसला किया है। बता दें कि 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग नरसंहार हुआ था। पिछले वर्ष इस घटना के 100 वर्ष पूरे होने पर शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। इसके नवीनीकरण का काम मार्च तक पूरा किया जाना था लेकिन कोरोना के कारण काम बंद करना पड़ा। इस स्मारक का उद्घाटन 13 अप्रैल को किया जाना था। संस्कृति मंत्रालय के अधिकारी के अनुसार स्मारक के नवीनीकरण के तहत स्मारक स्थल पर संग्रहालय, साउंड लाइट शो स्थापित करने का काम किया जाना है। इसके नवीनीकरण के काम के चलते इसे 15 फरवरी से 12 अप्रैल तक बंद कर दिया गया था।

प्रधानमंत्री की वीडियो कांफ्रेंसिंग

राज्यों के अंदर आवश्यक आर्थिक गतिविधियां चलाने की अनुमति मिलनी चाहिए : बघेल

रायपुर.ब्यूरो

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है कि लॉकडाउन की स्थिति में राज्यों के अंदर कुछ आवश्यक आर्थिक गतिविधियां चलाने की अनुमति मिलनी चाहिए। इसी प्रकार उन्होंने संकट के समय एमएसएमई सेक्टर को बचाने के लिए केन्द्र सरकार से आर्थिक पैकेज की मांग की साथ ही कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए अधिक से अधिक सेम्पल लिए जाने और वर्तमान में कोरोना संकट को देखते हुए अंतर्राज्यीय सड़क, वायु, रेल सुविधाओं पर प्रतिबंध जारी रखने का सुझाव दिया। श्री बघेल ने आज प्रधानमंत्री द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति की समीक्षा के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की ली गयी वीडियो कांफ्रेंसिंग में उपरोक्त सुझाव दिए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रधानमंत्री से यह भी आग्रह किया कि पीपीई किट की संख्या में वृद्धि और परीक्षण की सुविधा भी बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने केन्द्रीय विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित रखी जाए या ऑन लाइन लिए जाने का सुझाव भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा परीक्षण किट की खरीदी के लिए तय की गई गाइडलाइन में स्पष्ट निर्देश नहीं होने से संशय की स्थिति बनी हुई है। इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में एमएसएमई सेक्टर द्वारा लगातार आर्थिक पैकेज की मांग की जा रही है। लॉकडाउन की लंबी अवधि के कारण लोगों को सर्वाधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाले इस महत्वपूर्ण सेक्टर का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। उन्होंने इन उद्योगों को बचाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा शीघ्र आर्थिक पैकेज दिए जाने की घोषणा करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य देश के सर्वप्रथम राज्यों में शामिल है, जहां 21 मार्च 2020 को लॉकडाउन लागू किया गया। सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन होने और पूर्ण लॉक डाउन के कारण यहां कोविड-19 के संक्रमण की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर है। राज्य में कोरोना संक्रमण के कुल 18 व्यक्ति संक्रमित पाए गए हैं। इनमें अब तक 10 स्वस्थ्य हो चुके हैं। शेष 8 मरीजों की हालत सामान्य है। तबलीगी जमात के 107 सदस्यों को क्वारेंटाइन में रखा गया है। तबलीगी जमात के 8 सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए इन सभी को एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक सदस्य का इलाज पहले से चल रहा था, जिसे कल ही डिस्चार्ज कर दिया गया है। शेष की हालत भी सामान्य है। राज्य में अब तक किसी भी व्यक्ति की कोरोना वायरस संक्रमण से मृत्यु नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य के 28 जिलों में केवल 5 जिलों से ही कोरोना संक्रमण के मरीज पाए गए हैं शेष 23 जिलों में संक्रमित व्यक्ति नहीं मिले हैं। प्रदेश में अब तक 3,473 सेम्पल लिए गए हैं। प्रतिदिन औसत 133 सेम्पल लिए जा रहे हैं। जो अत्यंत कम हैं। कम परीक्षण होने के कारण यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि वास्तव में कोविड-19 वायरस की स्थिति नियंत्रण में है अथवा नहीं। प्रतिदिन 3 से 5 हजार सेम्पल लेने की आवश्यकता है। इस संबंध में पूर्व में भी अनुरोध किया गया है।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में बताया कि राज्य की सीमा में हजारों लोग फंसे हैं।

वन मंत्री अकबर ने विभागीय काम-काज की समीक्षा की, राज्य में 137 नालों को पुनर्जीवित कर ढाई लाख

रायपुर.ब्यूरो

वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने आज राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में वन विभाग के काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान वन विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं नरवा विकास कार्यक्रम, वृक्षारोपण तथा आवर्ती चराई योजना के संबंध में विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को अपेक्षित प्रगति लाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

वन मंत्री श्री अकबर ने नरवा विकास कार्यक्रम के तहत चिन्हांकित नालों के संरक्षण तथा संवर्धन कार्य के साथ-साथ वन क्षेत्रों में बड़े-बड़े तालाबों के निर्माण कार्य को भी अधिक से अधिक संख्या में शामिल करने के लिए निर्देशित किया। इसी तरह वन विभाग द्वारा आगामी बरसात के महीनों में वृक्षारोप[illegible] के [illegible] आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने [illegible] निर्देश दिए। उन्होंने आवंटित चर[illegible] योजना में लंबित कार्यों को शीघ्र स्वीकृत कराने और स्वीकृत सभी कार्यों को शीघ्रता से प्रारंभ करने के लिए भी निर्देशित किया।

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना 'नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी' के अंतर्गत नरवा विकास कार्यक्रम में वन विभाग द्वारा वर्ष 2019-20 में राज्य के 137 छोटे-बड़े नालों को लगभग 160 करोड़ रूपए की लागत राशि से पुनर्जीवित करने का कार्य जारी है। विभागीय अधिकारियों द्वारा आज यहां बताया गया कि इसके तहत [illegible] नालों [illegible] 56 हज[illegible] 70 [illegible] विभिन्न स्[illegible]चनाओं के माध्यम से दो लाख 44 हजार 8[illegible] हेक्टेयर भूमि [illegible] उपचारित करने का लक्ष्य है। इन संरचनाओं में ब्रशवुड चेकडेम, लूज बोल्डर चेकडेम, स्टाप डेम, चेकडेम, तालाब तथा स्टाप डेम आदि कार्य का निर्माण किया जा रहा है। नरवा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2020-21 में छत्तीसगढ़ प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) के तहत वन क्षेत्रों में स्थित 308 छोटे-बड़ों नालों को 211 करोड़ रूपए की लागत राशि से पुनर्जीवित करने का कार्य प्रस्तावित है। इनमें एक हजार 142 स्टाप डेम, मिट्टी के बांध, एनिकट, चेक डेम [illegible] कुलशन टैं[illegible] आदि संरचनाओं के माध्यम से लाख [illegible] हजार [illegible] हेक्टेयर भूमि को उपचारित करने का लक्ष्य निर्धारित है।

इसी तरह वन विभाग द्वारा चालू वर्ष 2020-21 में विभिन्न मद के अंतर्गत लगभग 7 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में जानकारी दी गई कि इसके लिए प्रदेश के सभी नर्सरी में पौध रोपण के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में पौधे तैयार कर लिए गए हैं। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि वन प्रबंधन समितियों की सूक्ष्म प्रबंध योजना के तहत आवर्ती चराई योजना के अंतर्गत राज्य में 848 कार्य प्रस्तावित हैं। वर्तमान में इसमें से 590 कार्य स्वीकृत हो गए हैं और स्वीकृत 324 कार्यों का निर्माण प्रारंभ हो गया है। इस अवसर पर वन विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज पिंगुआ, सचिव श्री जयसिंह म्हस्के, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री राकेश चतुर्वेदी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) श्री अतुल कुमार शुक्ल, कैम्पा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री व्ही. श्रीनिवास राव, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री अरूण पाण्डेय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मोक्ष है अनुत्तर सुख : आचार्य महाश्रमण

पूज्यवर ने दी भव सागर से तरने की प्रेरणा

महाराष्ट्र। अहिंसा यात्रा के प्रणेता शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी सुख साता पूर्वक वर्तमान में श्री ब्रह्मदेव माने कॉलेज परिसर में विराज रहे हैं। पूज्य प्रवर द्वारा प्रतिदिन अमृत देशना का क्रम जारी है। जिसे अमृतवाणी के यूट्यूब चैनल तेरापंथ के माध्यम से हर कोई अपने घर बैठे देख सकते हैं। पूज्यवर की पावन वाणी से अपने समय को सार्थक, सफल कर सकते हैं। आज अपनी अमृतमय वाणी से मोक्ष के बारे में फरमाते हुए पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी ने कहा--हमारी आत्मा संसार में परिभ्रमण कर रही है। जन्म मरण का क्रम निरंतर चल रहा है। इस जन्म मरण को भव सागर भी कह सकते हैं, भव अरण्य भी कह सकते है। जिसमें आत्मा भटक रही है। प्रश्न हो सकता है कि इसमें परिभ्रमण करना आनंद है या मुक्त होना ठीक है? संसार सागर दुख का स्थान है। मोक्ष एक ऐसी जगह है जहां कोई दुख नहीं परमसुख है। व्यक्ति को भवारण्य से मुक्त होना पसंद करना चाहिए। अध्यात्म साधना का मुख्य उद्देश्य मोक्ष प्राप्ति है। आज तक अनंत-अनंत जीवो ने मोक्ष को प्राप्त किया है। एक बार मोक्ष प्राप्त होने पर वह शाश्वत में प्राप्त हो जाता है। आचार्यवर ने आगे कहा कि देव भी कोई मुक्त नहीं, संसार के ही प्राणी है। उनका आयुष्य पूर्ण होता है और वह जन्म लेते हैं। देव से ज्यादा धार्मिक मनुष्य हो सकता है। व्यक्ति प्रयास करें परम को पाने का। मोक्ष परम अवस्था है वहां के सुख अनुत्तर है। मोक्ष सुगम नहीं है उसके कुछ बाधक तत्व भी है। जो प्रकृति से चंड होता है वह मोक्ष नहीं प्राप्त कर सकता। जिसमें अहंकार है, गर्व की भावना है, अनुशासन हीनता है यह सब तत्व मोक्ष के बाधक है। चुगलखोर, पैशुन्य, अविनीत व्यक्ति के लिए मोक्ष का दरवाजा बंद है। हम मोक्ष स्थान को पाने के लिए इन बाधाओं से बचें।

60 प्रतिशत से ज्यादा मौतें दूसरी बीमारियों की वजह से

कब्रिस्तानों के अलावा अब मुक्तिधामों में भी बढने लगी संख्या,12 प्रतिशत कोरोना मरीजों की मौत

नई दिल्ली.एजेंसी।

कोरोना का दहशत इतनी ज्यादा है कि कई मरीज तो उसके लक्षण नजर आने पर ही मौत का शिकार हो रहे हैं और उनके मरने के बाद रिपोर्ट पाजिटिव आ रही है। पूरे देश में कोरोना पाजिटिव मरीजों की मौत के मामले में प्रतिशत के आधार पर भी इंदौर आगे है और यह आंकड़ा 12 प्रतिशत तक पहुंच गया है। आज सुबह स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ डॉ. प्रवीण जडिया के मुताबिक 249 कोरोना पाजिटिव मरीज है और 30 की मौत हो चुकी है, वहीं 60 प्रतिशत से ज्यादा मौतें अन्य बीमारियों के कारण हुई है। कब्रिस्तानों के अलावा अब मुक्तिधामों में भी शवों के आंकड़े बढ़ रहे हैं। शहर में कई लोगों की मौत तो समय पर इलाज न मिल पाने के कारण हो रही है, जो कि अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित है और लंबे समय से उनका इलाज भी चल रहा है। अभी चूंकि शहर के अधिकांश निजी अस्पतालों में इलाज नहीं मिल पा रहा है।

जिसके चलते अन्य मरीजों की भी मौत तेजी से हो रही हैं। इनमें डायलेसिस कराने वाले मरीजों के अलावा हृदय रोग, डायबिटिज, कैंसर या अन्य ऐसी बीमारियों से पीड़ित लोग शामिल हैं। प्रशासन का भी स्पष्ट कहना है कि लोग भयभीत न हो और उनके इलाज की भी व्यवस्था की जा रही है, वहीं प्रशासन अन्य बीमारियों से मौत का शिकार हुए लोगों की भी जानकारी लगातार उपलब्ध करवा रहा है। आज भी 3 कोरोना पाजिटिव मरीजों की मौत हुई है, जिसके चलते अधिकृत रूप से 30 कोरोना मरीज की मौत स्वास्थ्य विभाग ने स्वीकार की है और कुल कोरोना संक्रमित यानी पाजिटिव मरीजों की संख्या 249 बताई गई है। पिछले दिनों यह भी समाचार आये कि कब्रिस्तानों में दफनाये जाने वाले शवों की संख्या एकाएक बढ़ गई है, वहीं पूरे देश में मुंबई, दिल्ली के बाद इंदौर कोरोना पाजिटिव मरीजों के मामले में तीसरे स्थान पर है, वहीं प्रति 10 लाख की आबादी पर कासरगौड़ के बाद इंदौर का नंबर आता है, लेकिन अगर कोरोना पाजिटिव मरीजों की कुल संख्या के आधार पर देखा जाये तो इंदौर में कोरोना पाजिटिव मरीजों की मृत्यु दर सर्वाधिक 12 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

इंदौर जिले में किसी भी मरीज को इलाज के लिये अस्पताल में ले जाते समय उनके साथ अधिकतम दो व्यक्ति ही साथ रहेंगे। कलेक्टर मनीष सिंह ने एक अन्य जानकारी में बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव के संबंध में जिला स्तर की जाने वाली कार्यवाही हेतु जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समूह का गठन किया है।

आईपैक की सराहनीय पहल, सबकी रसोई के तहत लॉकडाउन में 8.50 लाख जरूरतमंदों को मुहैया कराया भोजन

इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी सबकी रसोई पहल के तहत दिल्ली समेत देश के 31 शहरों में जरूरतमंदों को अब तक 8.50 लाख से अधिक भोजन उपलब्ध करा चुकी है। आईपैक ने गुरुवार को देश के 31 शहरों में 1,84,840 जरूरतमंदों को ताजा भोजन उपलब्ध कराया। आईपैक दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली, गुड़गांव और फरीदाबाद में जरूरतमंदों जो भोजन मुहैया कराने के लिए 70 डिस्ट्रीब्यूशन प्वॉइंट बनाया है और गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में 15,520 जरूरतमंदों को ताजा भोजन उपलब्ध कराया।

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने केंद्र सरकार से किया पीपीई, रैपिड डायग्नोस्टिक किट और वेंटिलेटर उपलब्ध करवाने का आग्रह

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने केंद्र सरकार से राज्य में रैपिड डायग्नोस्टिक किट के साथ-साथ पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट उपलब्ध कराने का आग्रह किया, ताकि मौजूदा चिकित्सा सुविधाओं को प्रभावी ढंग से कोविड-19 से लड़ने के लिए सुदृढ़ किया जा सके। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से राज्य को 60 वेंटिलेटर प्रदान करने का भी आग्रह किया ताकि जरूरत पड़ने पर पर्याप्त संख्या में वेंटिलेटर उपलब्ध हों।

मुख्यमंत्री ने आज यह बात विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा आयोजित वीडियो कॉफ्रेंस के दौरान कही। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने मुख्यमंत्री को आस्वस्थ किया कि केंद्र सरकार इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार व राज्य सरकार के सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार ने आज तक राज्य में 6 अस्पताल कोविड-19 अस्पताल

के रूप में अधिसूचित किए हैं, जिनमें श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय मेडिकल कॉलेज नेरचैक, जिला मण्डी, इएसआई अस्पताल काठा बद्दी जिला सोलन, चेरिटेबल अस्पताल भोटा जिला हमीरपुर, एस.एस. मेमोरियल आर्शीवाद अस्पताल चम्बा, नागरिक अस्पताल सरॉह जिला सिरमौर और अग्रवाल अस्पताल ज्वालामुखी जिला कागड़ा शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शुरू किए गए एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान के तहत विभिन्न स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंच कर लगभग 60 लाख से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी एकत्र की गई है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य सरकार को विभिन्न प्रकार के लक्षणों से प्रभावित लोगों की पहचान करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आगामी दो दिनों में इस अभियान के तहत पूरे राज्य को कवर कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में लगभग 50 स्वास्थ्य उप केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में टेली-मेडिसिन सुविधाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से विशेषज्ञ परामर्शदाता चिकित्सा परामर्श प्रदान कर रहे हैं। जय राम ठाकुर ने कहा कि अब तक कोविड-19 के लिए 773 लोगों का परीक्षण किया गया है, जिनमें से 745 लोगों को नेगेटिव पाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में कोविड-19 के 28 पॉजिटिव मामले हैं, जिनमें से दो ठीक होकर घर भेज दिए गए हैं, चार राज्य के बाहर इलाज के लिए चले गए हैं और एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि राज्य में आज कोविड-19 के 21 मामले आए हैं, जिनमें से सभी तब्लीगी जमात या उनके करीबी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कवारनटाईन सुविधा के लिए लगभग 6600 बिस्तरों की व्यवस्था की गई है, इसके अलावा 510 बिस्तरे आइसोलेशन के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, राज्य में कोविड-19 पॉजिटिव रोगियों के लिए लगभग 450 बिस्तर उपलब्ध हैं।

नए सत्र में दाखिला की तैयारी में जुटा दिल्ली विश्वविद्यालय

नई दिल्ली.एजेंसी। कोरोना वायरस (कोविड-19) और देशव्यापी लॉकडाउन के कारण तमाम विश्वविद्यालय बंद हैं, लेकिन दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में नए शैक्षणिक सत्र में दाखिला संबंधी तैयारियों के लिए बैठकों का दौर जारी है। इसी क्रम में डीयू दाखिला कमेटी ने डीयू से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र भी लिखा है। जिसमें कहा गया है कि सभी कॉलेज अपनी-अपनी वेबसाइट पर 2020द्21 शैक्षणिक सत्र के लिए दाखिला संबंधित जानकारियां अपडेट करें। वहीं नए सत्र में ईडब्ल्यूएस कोटे को भी बढ़ाने की बात कही गयी है। पिछले सत्र 2019द्20 से लागू हुए ईडब्ल्यूएस कोटे को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की बात कही गई थी। अब इसका दूसरा चरण इस सत्र में लागू होगा। जिसके तहत ईडब्ल्यूएस का कोटा बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया जाएगा। इससे पहले डीयू ने 10 फीसदी कोटा लागू किया था। इसके लागू होते ही दिल्ली विश्वविद्यालय में 15 फीसदी सीटों का भी इजाफा होगा। दिल्ली विश्वविद्यालय की डीन (दाखिला) प्रो शोभा बगई ने सभी कॉलेजों के प्राचार्य को दिल्ली विश्वविद्यालय के नए शैक्षणिक सत्र 2020-21 की दाखिला प्रक्रिया को सशक्त बनाने की तैयारियों के संबंध में पत्र भेजा है।

विश्वविद्यालय की एडमिशन ब्रांच ने कॉलेजों को अपनी वेबसाइट पर समस्त जानकारी अपडेट करने के साथ ही संबंधित लिंक 30 अप्रैल तक विश्वविद्यालय को भी भेजने को कहा है। इसमें अपने कॉलेज से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर अपलोड करें। उसका लिंक एडमिशन ब्रांच को भेजा जाना चाहिए, ताकि उसे सूचना बुलेटिन में शामिल किया जा सके। उपरोक्त प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए, कॉलेज द्वारा एक मजबूत दाखिला टीम का गठन किया जाए। संपर्क विवरण (मोबाइल नंबर और ईमेल) के साथ नोडल व्यक्ति का नाम एडमिशन ब्रांच को मुहैया कराया जाए। आपके कॉलेज और विभिन्न पाठ्यक्रमों से संबंधित अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की एक विस्तृत सूची तैयार रहो। इन्हें कॉलेज की वेबसाइट अपलोड के साथ ही उसका लिंक एडमिशन ब्रांच को दें। जेनेरिक ऐच्छिक विषयों की एक सूची के बारे में उपयुक्त विकल्प बनाने वाले आवेदकों की सुविधा के लिए इस तरह के पाठ्यक्रम जो कॉलेज द्वारा पाठ्यक्रम-वार पेश किए जा रहे हैं, उन्हें कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

opensearch

कोविड-19: स्कूली बच्चों के लिए दिल्ली सरकार की 'हैप्पीनेस क्लासेज' होंगी शुरू

नई दिल्ली। स्कूली बच्चों के लिए दिल्ली सरकार की परियोजना 'हैप्पीनेस क्लासेज' रविवार से फिर से शुरू होगी। कोविड-19 के मद्देनजर देश में लागू लॉकडाउन (बंद) के बीच छात्र अपने घरों से ही कक्षा में भाग ले पाएंगे। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस मुश्किल समय में 'हैप्पीनेस क्लासेज' (खुशी की पाठशाला) की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा, ''हैप्पीनेस क्लासेज' के पीछे का उद्देश्य बच्चों को आत्मविश्वासी बनाना है और खुद को बेहतर तरीके से जानना है। हमारे स्कूलों में हर रोज सभी 16 लाख छात्र माइंडफुलनेस (खुद को सचेत रखने की प्रक्रिया) का अभ्यास करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम सभी आज चिंता से ग्रसित हैं। ये सामान्य दौर नहीं है और हमें नहीं पता कि मनोरंजन के रूप में क्या करना है। हम बाहर नहीं जा सकते, सिनेमाघर नहीं जा सकते या पार्कों में नहीं बैठ सकते, हम अपने परिवार के साथ अपने घरों तक ही सीमित हो गए हैं।'' ऐसे समय में हैप्पीनेस क्लासेज के महत्व को रेखांकित करते हुए शिक्षा मंत्री सिसोदिया ने कहा, ''हैप्पीनेस क्लासेज की गतिविधियाँ अब माता-पिता द्वारा घर पर हर रोज आयोजित की जाएंगी।'' उन्होंने कहा, ''हम अपने शिक्षकों की मदद से लगभग 8 लाख छात्रों और उनके परिवारों को ध्यान का अभ्यास कराने में सहायता करेंगे। यह हमारे घरों में माहौल को सकारात्मक बनाने और परिवारों को एक साथ अच्छा समय बिताने के लिए प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण है।''

लॉकडाउन की अवहेलना कर गुरुद्वारे में एकत्र हुए आठ लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस ने उत्तरी दिल्ली के कोतवाली में लॉकडाउन के आदेशों का उल्लंघन कर गुरुद्वारे में एकत्र होने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि गश्त पर गई पुलिस की टीम ने देखा कि कुछ लोग देर रात सवा दो बजे सीसगंज गुरुद्वारे में धार्मिक कार्य कर रहे हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस को देखने के बाद लोगों ने वहां से भागने की कोशिश की लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि पकड़े गए लोगों के खिलाफ कोतवाली पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता (भादसं) की धारा 188 (सरकारी कर्मचारी द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा), धारा 269 (लापरवाही वाला काम जिससे संक्रमण फैलने का खतरा हो) और धारा 279 (घातक बीमारी का संक्रमण फैला सकने वाले हानिकारक कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आठ लोगों ने मास्क नहीं पहना हुआ था और वे बंद के आदेशों का उल्लंघन कर धार्मिक स्थान पर एकत्र हुए थे।

रोहिणी में जुआ खेलते आठ लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी इलाके में पुलिस ने लॉकडाउन (बंद) के बावजूद एकत्र होकर जुआ खेलने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि एक घर पर छापा मारा गया और आठ लोगों को जुआ खेलते हुए पाया गया। पुलिस ने बताया कि 95 हजार रुपये नकद और ताश के पत्तों के पांच नए पैकेट बरामद किए गए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली जुआ अधिनियम और महामारी रोग कानून और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की पहचान विनोद कुमार (36) अमित (41), सुनील (52), कमल किशोर (59), प्रदीप (32), सुरेश कुमार (48), राजेश मलिक (52) और सतबीर (27) के रूप में हुई है।

सोमवार से आजादपुर मंडी में सब्जियों की बिक्री के लिए सम-विषम नियम

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी थोक फ्ल और सब्जी मंडी आजादपुर मंडी ने फैसला किया है कि कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए सोमवार से सम-विषम नियम लागू किया जाएगा। इसके साथ ही यह फैसला भी किया गया है कि मंडी में सुबह छह बजे से 11 बजे तक सब्जियों की बिक्री होगी और दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक फ्लों की बिक्री होगी। यह निर्णय उन रिपोर्टों के बाद लिया गया है कि मंडी में सामाजिक दूरी नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। यह थोक बाजार करीब 8 एकड़ में फैला हुआ है। आजादपुर कृषि उपज विपणन समिति (एपीएमसी) के अध्यक्ष आदिल अहमद खान ने कहा कि बाजार में 22 बड़े शेड हैं जिनमें सैकड़ों व्यापारी सब्जियां बेचते हैं और रोजाना बड़ी संख्या में लोग आते हैं। उन्होंने पीटीआई भाषा से कहा कि सम-विषम नियमों के तहत सभी 22 शेड अपनी संख्या के अनुसार खुलेंगे। उदाहरण के लिए सम तिथि पर सम संख्या वाले शेड जैसे`, 2, 4, 6, 8 में कामकाज होगा। खान ने कहा, 'इससे हमें कोविड-19 संकट के मद्देनजर बाजार में सामाजिक दूरी बनाए रखने में मदद मिलेगी।' राष्ट्रीय राजधानी के अन्य थोक बाजारों में भी यह नियम लागू किए जा सकते हैं। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय ने मंडियों में सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए सोमवार को सभी थोक बाजारों के अधिकारियों की बैठक बुलाई है। खान ने कहा कि व्यापारियों से यह भी कहा गया है कि आजादपुर मंडी के अंदर प्रति व्यापारी केवल एक ही ट्रक ले जाया जाएगा।

दिल्ली की हवा की गुणवत्ता फिर फिसली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण रविवार को एक पायदान चढ़कर 'मध्यम' श्रेणी में आ गया। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के अनुसार, दिल्ली में पीएम 2.5 और पीएम 1, दोनों प्रदूषक 'मध्यम' श्रेणी में हैं और क्रमश: 56 और 14 पर हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, वायू गुणवत्ता सूचकांक दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 18, मुंडका में 131, द्वारका में 96, आईटीओ में 8 और जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 92 स्थान पर है। हवा की गुणवत्ता पिछले सप्ताह 'अच्छी' श्रेणी में थी, लेकिन 6 मार्च को 'अंधेरे को चुनौती देने' के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाइट बंद करके नौ मिनट तक दीया जलाने को कहा था, लेकिन कई लोगों ने इसे गंभीरता से ना लेते हुए खूब पटाखे फोड़े। इस कारण यहां की हवा फिर से प्रदूषित हो गई।

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान 22 डिग्री और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस है। भारतीय मौसम विभाग ने दिन के समय तेज हवा चलने की भविष्यवाणी की है। इस बीच, पुणे, अहमदाबाद और मुंबई में वायु गुणवत्ता सूचकांक क्रमश: 65, 98 और 82 दर्ज किए गए, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आते हैं।

तीन पुलिस कर्मी बना रहीं फेस मास्क

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से लोगों को बचाने के लिए एक तरफ जहां पुलिस शिद्दत से लॉकडाउन का पालन कराने और लोगों तक खाना व अन्य जरूरी सामान पहुंचाने में लगी है, वहीं मार्केट में मास्क की किल्लत को दूर करने के लिए ग्रेटर कैलाश थाने में मास्क बनाए जा रहे हैं, ताकि कोरोना से बचाने के लिए हर गरीब को मास्क दिए जा सकें। ग्रेटर कैलाश थाने में तैनात तीन महिला कांस्टेबल सुन्नी, गुड़िया व नीलम प्रतिदिन 1 से ज्यादा मास्क की सिलाई कर रही हैं। मास्क बनाने के लिए स्थानीय आरडब्ल्यूए ने कपड़ा मुहैया कराया है। तीनों महिला कांस्टेबल पूरी लगन के साथ मास्क तैयार करने में जुटी हैं। मन में सिर्फ एक ही धुन है कि किसी भी तरह कोरोना का हराना है। यही जज्बा लिए तीनों सुबह से रात तक मास्क बनाने के लगी रहती हैं। इनके बनाए मास्क की धुलाई की सकती है। तीनों ने बातचीत में बताया कि राष्ट्र युद्ध में हमें मास्क बनाकर लोगों की सहायता करने का मौका मिल रहा है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। ग्रेटर कैलाश थाने के एसएचओ इंस्पेक्टर सोमनाथ पारुथी ने बताया कि मास्क तैयार होने के बाद प्रतिदिन गरीब लोगों को बांट दिए जाते हैं।

राजधानी दिल्ली में बढ़ेंगे कंटेनमेंट जोन, बड़े स्तर पर होगा सैनेटाइजेशन : सीएम अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (ओपन सर्च)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दिल्ली में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को लेकर सरकार बेहद चिंतित है और इसे काबू में करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि हमने दिल्ली में कोविड-19 के और कई 'कंटेनमेंट जोन' की पहचान की है। केजरीवाल ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं। इन्हें नियंत्रित करने के लिए सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 33 से 35 इलाकों को कंटेनमेंट जोन बनाया गया है और जल्द ही कई और इलाकों को कंटेनमेंट जोन घोषित किया जाएगा। वहां भी इसको काफी सख्ती से लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाई रिस्क वाले इलाकों को ऑरेंज जोन के रूप में घोषित किया जाएगा। कंटेनमेंट जोन को पहले ही रेड जोन घोषित किया जा चुका है। हम कोविड-19 कंटेनमेंट जोन में सोमवार से संक्रमण मुक्त करने का व्यापक अभियान चलाएंगे।

दिल्ली में जहां कहीं भी हमें कोविड-19 के केस मिल रहे हैं, हम उन क्षेत्रों को कंटेनमेंट जोन घोषित कर रहे हैं और वहां 'ऑपरेशन शील्ड' चला रहे हैं। अब तक कुल 33-35 कंटेनमेंट जोन की पहचान की जा चुकी है। अगले 2-3 दिनों में दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा, हम रेड जोन या कंटेनमेंट जोन में एक बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान शुरू कर रहे हैं। दिल्ली में कोरोना के 169 मरीज: वैश्विक महामारी कोविड-19 का मजबूती से मुकाबला कर रही दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को बताया कि दिल्ली में अब कोरोना वायरस के कुल मिलाकर 1,69 केस हो गए हैं। इनमें से 712 केस मरकज के हैं और बाकी सारे दिल्ली के हैं। जैन ने बताया कि दिल्ली में अब तक 19 मौतें हो चुकी हैं। यहां 54 मरीज आईसीयू में हैं और 8 लोग वेंटिलेटर पर भी हैं। सत्येंद्र जैन ने कहा कि राजधानी में जिन 33 हॉटस्पॉट्स को सील किया गया है, उन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी घरों में प्रत्येक व्यक्ति की स्क्रीनिंग की जा रही है। यदि कोई व्यक्ति थोड़ा सा भी बीमार है, तो यह पता लगाने के लिए उसका टेस्ट किया जा रहा है कि वह संक्रमण तो नहीं फैला रहा है। इस दौरान सत्येंद्र जैन ने दिल्ली के हेल्थ बुलेटिन में 'मरकज' कैटेगरी को बदलकर 'अंडर स्पेशल ऑपरेशन' कैटेगरी करने के सवाल पर कहा कि यह ऐसा ही है, जैसे मरकज ऑपरेशन केवल एक ही नहीं बल्कि कई अन्य भी थे। उन्हें एक साथ क्लब किया गया है।

कोविड19: दिल्ली में हॉटस्पॉट की संख्या 33 हुई

नई दिल्ली.एजेंसी

कोरोना वायरस को देखते हुये दिल्ली में अब कुल 33 हॉटस्पॉट हो गये हैं। शुक्रवार को देश की राजधानी दिल्ली में सिर्फ 3 हॉटस्पॉट थे तो वहीं अब इसको बढ़ा कर 33 कर दिया गया है। दिल्ली में अब जो नये नाम जोड़े गए हैं वो नाम हैं ए-3 मानसरोवर गार्डन, दूसरा नाम गली नम्बर 1 से 1 (हाउस न 1 से 1), सी ब्लॉक, जहांगीरपुरी वहीं तीसरा हॉटस्पॉट देवली एक्सटेंशन है।

आपको बता दें स्वास्थ्य मंत्रलाय की वेबसाइट के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में कुल 93 कोरोना से संक्रमित मरीजों की संख्या है जिसमें से 25 लोगों को अब तक इलाज पूरा करके घर भेज दिया है वहीं अब तक कुल 14 लोगों की इससे मृत्यु हो गई है। इससे पहले राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने कहा था कि 183 पुष्ट मामले दर्ज किए जाने की वजह से ओर मामलों की संख्या को समाहित करने के लिए, दिल्ली में अधिकारियों ने अब 3 हॉटस्पॉट सील कर दिए।

राज्य सरकार द्वारा शुरू में 2 शुरुआती हॉटस्पॉटों की पहचान की गई थी, सदर बाजार क्षेत्र और बंगाली मार्केट जैसे कुछ क्षेत्रों को बाद में जोड़ा गया, कुल उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों को जोड़े जाने के बाद इसकी संख्या 3 कर दी गई थी लेकिन दिल्ली में अब इसकी संख्या 33 हो गई है। दिल्ली सरकार ने पहले स्पष्ट कर दिया था कि उसे घातक वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कोविद-19 हॉटस्पॉट में सख्त लॉकडाउन उपायों का पालन करना होगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में कोविद -19 से लड़ने के लिए ऑपरेशन शील्ड की घोषणा की थी।

दिल्ली पुलिस के हवलदार पर लगा जमातियों को बॉर्डर पार कराने का आरोप, क्वारंटाइन में भेजकर जांच शुरू

नई दिल्ली। सिपाही के बाद अब दिल्ली पुलिस के एक हवलदार पर भी जमातियों को बॉर्डर पार करवाने का सनसनीखेज आरोप लगा है। इस बारे में ई-मेल पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी गई है। मामला सामने आते ही आरोपी हवलदार को होम क्वारंटाइन कर दिया गया है, जबकि पूरी घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। इतना ही नहीं, जांच में दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। आरोपी हवलदार दिल्ली पुलिस के कम्यूनिकेशन यूनिट में तैनात है। आरोपी पुलिसकर्मी पर अपनी वर्दी का नाजायज फायदा उठाते हुए ड्यूटी के फर्ज को भूलकर जमातियों का साथ देने का गंभीर आरोप लगा है। आरोपी हलवदार पर कथित तौर पर मदरसे के बच्चों को बॉर्डर पार करवाने का आरोप है। आरोप इतना तक लगा है कि उसने अपने फेसबुक वॉल पर लिखा है कि उसके समुदाय का आदमी जो निजामुद्दीन मरकज में शामिल हुआ हो और उसे बॉर्डर पार करने में परेशानी हो रही है तो वह उससे संपर्क कर सकता है। हवलदार पर बकायदा कुछ लोगों के साथ फोटो खिंचवाकर उसे पोस्ट भी करने का आरोप है। वह खासतौर से दिल्ली से मेवात जाने वाले लोगों के मदद कर रहा था। बताया जा रहा है। इन आरोपों की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही इस बारे में कोई बयान दिया जा सकेगा।

पुलिस सूत्रों की मानें तो आरोपी का विवादों से पुराना नाता

लॉकडाउन व हॉटस्पॉट का हो रहा उल्लंघन, बिना मास्क के घर के बाहर घूम रहे लोग

नई दिल्ली। यमुनापार के दो और इलाकों में कोरोना के मरीज सामने आए हैं। इसके बाद इन दोनों इलाकों को सील कर दिया गया है। इसमें त्रिलोकपुरी का 34 ब्लॉक और राधेश्याम पार्क एक्सटेंशन गली के पॉकेट सी में पुलिस और सिविल डिफेंस वालंटियर्स को तैनात कर दिया गया है। इन दोनों में संक्रमण के स्रोत का कारण अभी पता नहीं चला है। दोनों के परिवारों को क्वारंटाइन में रहने के लिए कहा गया है। जानकारी के मुताबिक त्रिलोकपुरी निवासी [illegible] बुजुर्ग पिछले दिनों [illegible] आरएमएल अस्पताल में गए थे। यहां उनकी कोरोना की जांच भी हुई। इसकी रिपोर्ट में वह पॉजिटिव पाए गए। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीम उनके घर पहुंच गई। उन्हें एंबुलेंस से आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। इनके परिवार के सदस्यों का भी सैंपल लिया जा रहा है। आसपास के लोगों को क्वारंटाइन में रहने के लिए कहा गया है। साथ ही इलाके को सील कर दिया गया है। इसी तरह से राधेश्याम पार्क एक्सटेंशन के पॉकेट सी निवासी एक बुजुर्ग पिछले एक हफ्ते से मैक्स, पटपड़गंज में भर्ती थे। शुक्रवार को उनकी कोरोना की जांच रिपोर्ट आई। इसमें उन्हें पॉजिटिव [illegible] इसके बाद सिविल डिफेंस के वालंटियर और पुलिस उनके घर पर पहुंच गई। यहां परिवार के पांच सदस्यों को क्वारंटाइन में रहने के लिए कहा गया है। इसके साथ इलाके को सील कर दिया गया है।

दो इलाकों में मिले कोरोना के मरीज, किया गया सील

हौजरानी के गांधी पार्क के पास एक गली को हॉटस्पॉट घोषित कर सील किया गया है। इस गली से बाहर आने-जाने की किसी को इजाजत नहीं है, लेकिन इस गली में लॉकडाउन व हॉटस्पॉट के नियमों का जमकर उल्लंघन हो रहा है। इस गली में रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि गली में कई दुकानें खुल रही हैं। लोग गली में खेल रहे हैं। इस दौरान वे शारीरिक दूरी का ध्यान भी नहीं रख रहे हैं। लोग गलियों में खड़े ऑटो में बैठे रहते हैं। स्थानीय निवासी ने बताया कि इन लोगों को कई बार पुलिस व प्रशासन के अधिकारी और वॉलंटियर्स समझा भी रहे हैं, लेकिन उनके हटते ही ये लोग फिर से गली में आकर जुट जाते हैं। कई लोग तो बिना मास्क के ही गली में टहलते हैं। गौरतलब है कि मालवीय नगर के गांधी पार्क की गली को हॉस्टस्पॉट घोषित किया गया है। इस गली में 6 वर्षीय बुजुर्ग कोरोना पॉजिटिव मिला है। उनकी भवन निर्माण सामग्री की दुकान है। बुजुर्ग अपने तीन बेटों, तीन बहुओं समेत करीब 15 सदस्यों वाले परिवार में रहते हैं। परिवार के अन्य सदस्य क्वारंटाइन हैं। यहीं की जहांपनाह कॉलोनी में एक मेडिकल छात्र और बिलाल मस्जिद के पास एक एयरपोर्ट कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। दरअसल, इसी गांधी पार्क में दो माह तक सीएए व एनआरसी के विरोध में धरना चला था। इस धरने में हजारों लोग आते-जाते रहे।

opensearch

दिल्ली में कोरोना के 1069 मरीज, मेडिकल बुलेटिन में मरकज कैटेगरी बदलने पर सत्येंद्र जैन बोले...

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोविड-19 का मजबूती से मुकाबला कर रही दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को बताया कि दिल्ली में अब कोरोना वायरस के कुल मिलाकर 1,69 केस हो गए हैं। इनमें से 712 केस मरकज के हैं और बाकी सारे दिल्ली के हैं। जैन ने बताया कि दिल्ली में अब तक 19 मौतें हो चुकी हैं। यहां 54 मरीज आईसीयू में हैं और 8 लोग वेंटिलेटर पर भी हैं।

सत्येंद्र जैन ने कहा कि राजधानी में जिन 33 हॉटस्पॉट्स को सील किया गया है, उन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी घरों में प्रत्येक व्यक्ति की स्क्रीनिंग

की जा रही है। यदि कोई व्यक्ति थोड़ा सा भी बीमार है, तो यह पता लगाने के लिए उसका टेस्ट किया जा रहा है कि वह संक्रमण तो नहीं फैला रहा है। इस दौरान सत्येंद्र जैन ने दिल्ली के हेल्थ बुलेटिन में 'मरकज' कैटेगरी को बदलकर 'अंडर स्पेशल ऑपरेशन' कैटेगरी करने के सवाल पर कहा कि यह ऐसा ही है, जैसे मरकज ऑपरेशन केवल एक ही नहीं बल्कि कई अन्य भी थे। उन्हें एक साथ क्लब किया गया है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 166 नए मामले दर्ज

संक्रमितों की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर दिल्ली है जहां पिछले 24 घंटों में 166 नए मामले दर्ज किए जाने के कारण कुल 169 लोग पीड़ित हुए हैं और मृतकों की संख्या छह बढ़कर 19 हो गई है। इसके बाद तमिलनाडु में सबसे अधिक 969 लोग संक्रमित हैं और पिछले 24 घंटों में दो लोगों की मौत के साथ मरने वालों की संख्या 1 हो गई है। मध्य प्रदेश में भी संक्रमितों की संख्या में बड़ी वृद्धि देखी गई और वह शनिवार के 435 लोगों की तुलना में लगभग 1 की बढ़त के साथ 532 हो गई। राज्य में मृतकों की संख्या तीन बढ़कर 36 हो गई है। तेलंगाना में अब तक 54 लोग संक्रमित हुए हैं और नौ लोगों की मौत हुई है। केरल में 364 लोग संक्रमित हुए हैं और दो लोगों की मौत हुई है। राजस्थान में एक दिन में 147 लोग संक्रमित हुए और इनका आंकड़ा बढ़कर 7 हो गया तथा अब तक तीन लोगों की मौत हुई है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 452 लोग संक्रमित हैं और पांच लोगों की मौत हुई है।

दिल्ली में बिना मास्क के घूम रही थी विदेशी दूतावास की महिला कर्मचारी, रोका तो की पुलिस से बहस

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले के बीच वसंत विहार में स्थित उरुग्वे दूतावास में कार्यरत एक महिला अधिकारी के द्वारा बिना मास्क व दस्ताने पहने साइकिल से घूमने का मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, शनिवार को वसंत विहार के पश्चिमी मार्ग पर उरुग्वे दूतावास में कार्यरत महिला बिना मास्क लगाए साइकिल से घूम रही थी। महिला दस्ताने भी नहीं लगाई थी। एक समाचार एजेंसी ने पुलिस के हवाले से बताया कि महिला को जब रोका गया तो वह पुलिस से उलझ गई। इस बीच पुलिस ने उसका नाम नोट कर दस्ताने व मास्क पहनने को कहा। दरअसल पुलिस किसी भी दूतावास के अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज नहीं कर सकती। इसलिए महिला के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। इस घटना के दौरान, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। आरडब्ल्यूए के अधिकारियों ने पुलिस को बताया कि वे वसंत विहार में रहने वाले विदेशी नागरिकों को भी समझाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे उनकी बात नहीं सुन रहे हैं।

पुलिस ने दी विदेश मंत्रालय को जानकारी

वसंत विहार में स्थित उरुग्वे दूतावास में कार्यरत महिला अधिकारी की शिकायत पुलिस ने विदेश मंत्रालय से की है। विदेश मंत्रालय ही महिला के खिलाफ कार्रवाई पर कोई निर्णय लेगा। बता दें कि दिल्ली में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मास्क लगाना अनिवार्य किया है।

निजी मुचलके पर ही कैदियों को किया जाए रिहा: हाई कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली राज्य विधिक प्राधिकरण द्वारा कैदियों को बिना जमानतदार ही रिहा करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने जेल अधीक्षकों को अहम निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति राजीव सहाय एंडलॉ व न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में जमानती नहीं देने पर जमानत पाए कैदियों को निजी मुचलके पर ही रिहा किया जाए। पीठ ने कहा कि यह मुचलका जेल अधीक्षक के अनुसार तय होगा।

दिल्ली राज्य विधिक प्राधिकरण की तरफ से दायर याचिका में कहा गया कि कई विचाराधीन कैदियों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दे दिए गए हैं। हालांकि, जमानतदार नहीं लाने के कारण कई कैदी जेल से बाहर नहीं जा सकते। ऐसे में कैदियों को बिना जमानतदार के ही रिहा करने का आदेश दिया जाए। याचिका में कहा गया कि

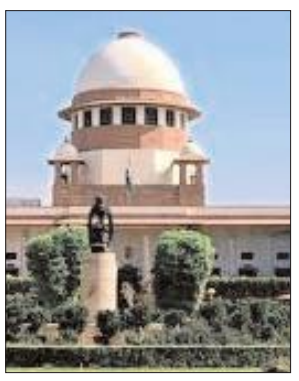

इससे जेल में कैदियों की संख्या कम करने में मदद मिलेगी। पीठ ने इस पर जेल अधीक्षकों को निर्देश दिया कि हाई कोर्ट या निचली अदालत से जिन कैदियों को सात अप्रैल या इससे पहले जमानत मिल गई है उन्हें बिना जमानतदार के ही निजी मुचलके पर रिहा कर दिया जाए। कोर्ट ने अपने पुराने आदेश में संशोधन करते हुए यह आदेश पारित किया है।

लॉकडाउन में दिल्ली के सांसद जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाने में मशगूल

नई दिल्ली.एजेंसी। कोरोना वायरस की वजह से देश में लागू लॉकडाउन की पहली अवधि 14 अप्रैल को खत्म होने वाली है। फिलहाल मिल रहे संकेतों से साफ है कि पूरे देश में लॉकडाउन को फिर बढ़ाया जा सकता है। ऐसे में देश में जहां -तहां फंसे लोगों को और कुछ दिन दुश्वारियां झेलनी पड़ सकती है। इन मुश्किलात में दिल्ली के सांसद ऐसे ही जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाने में जुटे हैं।

इन मुश्किल हालात में अपने अपने क्षेत्र के लोगों को राहत पहुंचना सांसदों के लिये बड़ी चुनौती बन गयी है। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली के सांसदों की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। इन दिनों दिल्ली के सभी सांसद अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने में जुटे हैं।

नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी इन दिनों अपने लोकसभा क्षेत्र के साथ दिल्ली की जनता की मुश्किलें कम करने में लगी हैं। मीनाक्षी लेखी का कहना है कि सुबह सुबह उनकी दिनचर्या की शुरुआत हो जाती है। लोगों की मुश्किलें और जरूरत को जानने क्षेत्र का दौरा करती हैं, जानकारी मिलते ही कच्चा समान लोगो तक पहुंचाती हैं। उनका कहना है कि अभी तक लोगों में 2 टन कच्चा माल पहुंचा चुकी हैं, और हर रोज कम से कम दो हजार पैकेट पका हुआ भोजन लोगों के बीच वितरित करती हैं। गौरतलब है कि दिल्ली के महादेव रोड स्थित सांसद के सरकारी आवास को ही कैम्प कार्यालय में तब्दील कर दिया है। यहीं से लोगों के बीच राहत का काम चलता रहता है। कोई भी जरूरतमंद उनके कैम्प कार्यालय में संपर्क कर या फिर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर मदद मांग सकता है।

सांसद मीनाक्षी लेखी कहती हैं कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर लोगों तक राहत मुहैया कराने की शुरूआत मैंने ही की थी। यह काम 27 मार्च से अनवरत जारी है। वो कहती हैं कि किसी ने मेरा और दिल्ली के अन्य सांसदों का मोबाईल नंबर सोशल मीडिया पर सावर्जनिक कर दिया। इससे एक एक दिन में हजार हजार फोन कॉल्स आने लगे। ज्यादातर फोन दिल्ली से बाहर से आ रहे थे। प्रतापगढ़, आजमगढ़, बाराबंकी, दरभंगा, पश्चिम बंगाल के कई शहरों से ज्यादा कॉल्स आये।

भाजपा सांसद कहती है कि इस दौरान कई सांसदों के भी फोन आ रहे हैं। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, बिहार के दरभंगा से सांसद गोपालजी ठाकुर, उत्तर प्रदेश के डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल जी का फोन आया। वो अपने अपने क्षेत्र के लोगों को जो नई दिल्ली में रहते हैं, मदद पहुचाने के लिये चिंतित थे। मीनाक्षी लेखी कहती हैं अभी राजनीतिक क्रियाकलाप बंद है सिर्फ राहत का काम चल रहा है। पार्टी का भी आदेश है कि जरूरतमंद तक मदद पहुंचाएं।

उधर पश्चिम दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा की भी दिनचर्या इसी तरह व्यस्त रहती है। वो कहते हैं कि इन दिनों लोगों की सेवा करना और जरूरतमन्दों तक मदद पहुंचाना ही मेरा लक्ष्य है।

हर रोज अपने क्षेत्रवासियों के लिए जो रोज कमाने वाले हैं, मजदूर हैं, ई रिक्शा, ऑटो रिक्शा, दिहाड़ी मजदूर हैं उनके परिवारों में खाने का समान भिजवाना और जो लोग खाना बनाने में असमर्थ है उनके लिए खाना बनवाना और पहुंचाना ही उनकी दिनचर्या है। हमारा लक्ष्य है कि तीनों वक्त का भोजन लोगों तक पहुंचाये।

सांसद प्रवेश वर्मा का कहना है कि उनका एक ही उद्देश्य है, 'मेरे लोकसभा क्षेत्र में कोई भी भूखा नहीं सोयेगा। ये पश्चिम दिल्ली लोकसभा क्षेत्र मेरा परिवार है और अपने लोकसभा क्षेत्र के परिवार के सुख दुख में मैं हमेशा साथ हूं।'

इसके अलावा पश्चिम दिल्ली में प्रवेश वर्मा की सामाजिक संस्था 'राष्ट्रीय स्वाभिमान' द्वारा भी हर रोज जरूरतमन्दों तक 'मोदी किट' घर घर बांटे जा रहे है। इसमें एक परिवार के लिए एक हफ्ते का घर का राशन जिमसें चावल, आटा, नमक, मसाले, चीनी, तेल आदि होता है।

ओपन सर्च

हर व्यक्ति के जीवन में अच्छाइयां और कमियां दोनो होती हैं। यदि कमियों को दूर करने और अच्छाइयों को विकसित करने का प्रयास होता है तो जीवन अच्छा बन जाता है।

कोरोना के बाद

कोरोना वायरस के कहर से जैसे-तैसे हम उबर जाएंगे। मगर असल संकट इसके बाद शुरू होगा। यह सिर्फ भारत के लिए नहीं, पूरी दुनिया के लिए। लॉकडाउन ने सब कुछ थाम दिया है। देश का ऐसा कोई सेक्टर नहीं है, जो खुला है। कर्मचारी घर पर हैं, तो मजदूर मीलों का सफर पैदल तय कर घरों तक पहुंच गए हैं, जो फंसे हैं, वे भी लॉकडाउन खुलने के इंतजार में हैं। कोरोना काल के खत्म होने के बाद अर्थव्यवस्था को जहां पटरी पर लाने की चुनौती होगी, वहीं बेरोजगारी से निपटना भी आसान नहीं होगा। कोरोना का संकट देख जो लोग घरों की ओर लौट गए हैं, उनका वापस आना या कहें कि जल्द से जल्द लौटना मुमकिन नहीं है। अपना घर छोड़ काम की तलाश में दूसरे राज्य गए मजदूरों को होने वाली दिक्कतों से शायद ही कोई वाकिफ हो। वे भी अपने घर जाने को तैयार

विजय कुमार

रहते थे, मगर पैसे के मोह में निर्णय ले पाने की स्थिति में नहीं थे, मगर अब कोरोना ने उन्हें उनके घर पहुंचा दिया है, तो अब शायद ही वे दूसरे राज्यों का रुख करें। रही बात दूसरे वर्ग की तो वहां नौकरी जाने का खतरा मंडरा रहा है। कोरोना ने अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका दिया है। देश को इससे उबरने में कुछ समय तो लगेगा। तब तक हर सेक्टर की गाड़ी हिचकोले खाती रहेगी। इस स्थिति में पहले जैसी व्यवस्था और श्रम शक्ति बनाए रखना निजी सेक्टर के लिए आसान नहीं होगा। अभी कोरोना का प्रभाव जारी है तो ही देश में बेरोजगारी दर बढ़कर 23 फीसदी पहुंच गई है। आने वाले दिनों में इस आंकड़े में और इजाफा होगा। वहीं रिटेल सेक्टर में 80 हजार लोगों की नौकरियां दांव पर लग गई हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस सेक्टर में बड़े पैमाने पर छंटनी की जा सकती है। कोरोना वायरस के कारण देश में अप्रैल के पहले हफ्ते में बेरोजगारी दर 23.4 फीसदी तक पहुंच गई, जबकि मार्च के मध्य में बेरोजगारी की दर सिर्फ 8.4 फीसदी थी। सबसे ज्यादा चोट शहरों में लगी है। शहरों में बेरोजगारी की दर 30.9 फीसदी पहुंच गई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) के मुताबिक 5 अप्रैल को खत्म हफ्ते के बाद 6 अप्रैल को जारी आंकड़े में बेरोजगारी में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। लॉकडाउन हटाए जाने के बाद भी देश में बेरोजगारी अधिक रहेगी। सरकार हर साल बेरोजगारी के आंकड़े पब्लिश करती है। पिछली रिपोर्ट 2010 में जारी की गई थी। इसके मुताबिक, बोरोजगारी की दर 45 साल के हाई पर पहुंचकर 6.1 फीसदी रही थी। एक सर्वे के अनुसार, 20 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी से कुल 78, 592 कर्मचारी प्रभावित होंगे। उद्योग संगठन ने कहा कि सर्वे में शामिल छोटे कारोबारियों में वे इकाइयां हैं, जहां 100 से कम लोग काम करते हैं। इनकी सर्वे में भागीदारी 65 प्रतिशत हैं। वहीं मझोले खुदरा कारोबारियों में 100 से 1, 000 लोग काम करते हैं। बड़े खुदरा कारोबारियों में वे शामिल हैं, जिन्होंने 1, 000 से अधिक लोगों को काम दे रखा है। अब इनका काम छिनना तय माना जा रहा है। फेडरेशन ऑफइंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन का कहना है कि कोरोना वायरस के कारण भारत के निर्यात क्षेत्र में करीब डेढ़ करोड़ लोगों की नौकरियां जा सकती हैं तथा इस क्षेत्र की नॉन-परफॉर्मिंग असेट भी बढ़ सकती हैं। फीओ के अध्यक्ष ने कहा कि आधे से अधिक ऑर्डरों के रद्द हो जाने तथा वैश्विक व्यापार के खराब परिदृश्य के कारण ये नौकरियां जाने की आशंका है। हालांकि, सब कुछ बुरा होगा ऐसा भी नहीं है। लॉकडाउन खत्म होने के बाद ऐसे क्षेत्र जो कि काफी कुछ लोगों की सोच और व्यवहार पर निर्भर हैं, उनमें सुधार आने में सबसे ज्यादा वक्त लगेगा, जबकि जिन क्षेत्रों को सरकार ने कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए बंद किया है, उनमें सबसे तेजी से सुधार आएगा। फार्मा, चिकित्सा और स्वास्थ्य उपकरण तथा डिजिटल कंपनियां, उन क्षेत्रों में शामिल हैं, जिनके कारोबार में कोविड-19 महामारी के बाद उछाल देखा गया। पूर्व दूरसंचार और आईटी सचिव आर चंद्रशेखर का कहना है कि डिजिटल दुनिया से जुड़ी हुई और इससे संबंधित सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनियां, जैसे मनोरंजन, कार्यालय प्रणाली और रसद आपूर्ति श्रृंखला, अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

कौन सजा देगा इन झूठों व अफवाह बाजों को?

तनवीर जाफ़री

वैसे तो समूची पृथ्वी गत तीन दशकों से आहिस्ता आहिस्ता मानव निर्मित अनेक संकटों के चलते बारूद के ढेर में परिवर्तित होती जा रही थी। वैश्विक जलवायु परिवर्तन, दुनिया के कई देशों में कुपोषण व भूखमरी के हालात, कई देशों में चल रही गृह युद्ध की स्थिति, विश्व के सामने बढ़ता जा रहा पेय जल संकट, विकास के नाम पर गर्म होता जा रहा विश्व का तापमान, धर्म व रंग भेद के आधार पर इंसानों में बढ़ती जा रही नफरत व कड़वाहट तथा विश्व के बड़े देशों में मची वर्चस्व की होड़ व इसके चलते उपजे सैन्य संघर्ष आदि ही पृथ्वी को नष्ट करने के लिए काफी थे कि इसी दरमियान प्रकृति ने भी पृथ्वी पर छाये इस मानव निर्मित संकट को कई गुना बढ़ाते हुए कोरोना वायरस यानी कोविड-19 नामक महामारी के साथ अपनी भी उपस्थिति दर्ज करा दी। निश्चित तौर पर कोविड-19 महामारी ने सुपर पॉवर, सर्व शक्तिमान, विश्व के सबसे अमीर या प्रतिष्ठित लोग जैसी सभी अवधारणाओं को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। आज पूरा विश्व अपनी सभी पूर्व प्राथमिकताओं को छोड़ कर इसी उपाय में जुटा है कि किस तरह स्वयं को व अपने देश के लोगों को इस लाइलाज महामारी से बचाया जाए। बावजूद इसके कि इस समय दुनिया के सभी धर्मों के आस्था के केंद्रों में ताला लटक गया है फिर भी इंसान अपने अपने इष्ट से ही पनाह मांग रहा है। विश्व के अनेक देश संकट के इस अवसर पर एक दूसरे को सहयोग करते भी दिखाई दे रहे हैं।

परन्तु इसी अति संकटकालीन दौर में एक वर्ग ऐसा भी है जो शायद यह समझ रहा है कि चूँकि अभी तक वह सुरक्षित है इसलिए जग सुरक्षित है। और अपनी इसी अमानवीय सोच के तहत इस वर्ग से जुड़े लोग व संस्थान अपने झूठ, नफरत तथा अफवाह बाजी के एजेंडे को पूर्ववत चलाए जा रहे हैं। एक ओर जहाँ दुनिया के देश एक दूसरे से मिलकर इस महासंकट से मुकाबला करने के उपाय तलाश रहे हैं वहीँ मानवता विरोधी सोच के यह लोग समाज में साम्प्रदायिकता का जहर बोने में लगे हुए हैं। भारत के कई राज्यों में सोशल मीडिया अथवा समाचारों आदि के माध्यम से किसी तरह की अफवाह फैलाने पर सख्त पाबन्दी है। विभिन्न राज्यों से ऐसे कई समाचार भी सुनने को मिले है कि अफवाह फैलाने या झूठी खबर प्रकाशित करने की वजह से कई लोगों पर अपराधिक मुकद्दमे दर्ज किये गए। परन्तु यदि देश का स्वयं को नंबर 1 बताने वाला टी वी चौनल ही कोरोना जैसी महामारी के दौर में भी नफरत फैलाने के अपने पूर्व एजेंडे को छोड़ने के बजाए उसे और तेजी से बढ़ा रहा हो फिर आखिर इसके विरुद्ध कार्रवाई कौन करेगा और कब करेगा? यह वही टी वी चौनल है जिसने 2016 में देश में लागू की गयी नोटबंदी के बाद जब 2000 रूपये की नई नोट चलन में आई थी, इसने दुनिया को यह बताना शुरू कर दिया था कि -'सरकार ने इन 2000 की नोटों में एक गुप्त चिप लगाई है जिससे 120 मीटर की दूरी से ही सरकार और एजेंसियां ये जान पाएगी कि काला धन रखने वाला कोई व्यक्ति इन्हें जला या नष्ट तो नहीं कर रहा हैं।

'जी न्यूज अथवा जी टी वी नामक इस चौनल के स्वामी बीजेपी से राज्यसभा सांसद डाक्टर सुभाष चंद्रा हैं तथा इसके संपादक सुधीर चौधरी हैं जो बड़े ही आत्मविश्वास के साथ अफवाहबाजी फैलाने सामाजिक विद्वेष फैलाने तथा झूठ फैलाने के अपने एजेंडे में पूरे 'समर्पण भाव' से लगे रहते हैं। हमारे देश के टी वी दर्शक स्वभावतः सीधे व शरीफ ऐसे लोग हैं जो पूरे भरोसे व विश्वास के साथ किसी भी टी वी चौनल को देखते हैं व अखबार आदि पढ़ते हैं। इन्हीं प्रसारित समाचारों के अनुसार ही जनता आपस में बहस करती है तथा उसी के अनुरूप अपनी धारणा बनती है। दर्शक प्रायः इतनी समझ नहीं रखते कि वे किसी प्रसारित समाचार की सत्यता व विश्वसनीयता को परख सकें। इसी बात का फायदा उठा कर जी न्यूज तथा इसी के साथ और भी कई टी वी चौनल देश में नफरत के बीज बोते रहते हैं तथा कार्यक्रमों को इस अंदाज से पेश करते हैं गोया देश में आग लगने वाली हो।

तब्लीगी जमात की घिनौनी करामात

योगेश कुमार गोयल

> *जर्मनी में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने वालों पर 500 यूरो (करीब 41 हजार रुपये) का जुर्माना लगाया जा रहा है। सऊदी अरब में जो भी व्यक्ति शॉपिंग मॉल इत्यादि में थूकता पाया गया, उसके लिए वहां मौत की सजा का प्रावधान है।*

फिलीपींस में राष्ट्रपति रोड्रिगो दुर्तेते द्वारा वहां लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए गए हैं। दरअसल वहां लोग धड़ल्ले से लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे थे, जिससे कोरोना का खतरा वहां लगातार बढ़ रहा था। सिंगापुर में भारतीय मूल के 52 वर्षीय एक व्यक्ति को 'कोरोना-कोराना' चिल्लाने तथा होटल के फर्श पर थूकने के मामले में गत दिनों दो महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। जर्मनी में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने वालों पर 500 यूरो (करीब 41 हजार रुपये) का जुर्माना लगाया जा रहा है। सऊदी अरब में जो भी व्यक्ति शॉपिंग मॉल इत्यादि में थूकता पाया गया, उसके लिए वहां मौत की सजा का प्रावधान है। एक तरफ जहां पूरी दुनिया आज कोरोना से जंग में एकजुट है, वहीं भारत में तब्लीगी जमात वालों ने तेजी से सफलता की ओर बढ़ रही कोरोना की लड़ाई को पलीता लगा दिया है। दरअसल जब से तब्लीगी जमात के लोगों में कोरोना महामारी फैली है, तभी से जिस प्रकार इस जमात के लोग पूरे देश में संक्रमित मिल रहे है, उससे समाज में घबराहट पैदा होना स्वाभाविक है। यह वही तब्लीगी जमात है, जिसका मलेशिया में कुआलालंपुर की एक मस्जिद में 27 फरवरी से 1 मार्च तक एक धार्मिक आयोजन हुआ था। उस आयोजन को कोरोना संक्रमण फैलाने का एक बड़ा कारण माना गया था। वहीं से दर्जनों जमाती पर्यटक वीजा लेकर दिल्ली के निजामुद्दीन मरकस में पहुंचे, जहां तमाम सरकारी दिशा-निर्देशों को धत्ता बताकर इस साल एक जनवरी से ही देश-विदेश के कई हजार जमातियों का जमावड़ा कई दिनों तक जुटा रहा। यही इन जमातियों में कोरोना फैलने की बड़ी वजह बना और जिस प्रकार यहीं से इनमें से बहुत सारे जमाती देश के कोने-कोने में चले गए, उनके जरिये कोरोना के अब बड़े स्तर पर फैलने का अंदेशा है।

दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके से निकाले गए 2361 जमातियों में से बहुत सारे कोरोना संक्रमित पाए जा चुके हैं लेकिन इसके बावजूद अस्पतालों में शांति से अपना इलाज कराने के बजाय इनमें से अधिकांश द्वारा जिस तरह का घिनौना और गैरजिम्मेदाराना रवैया दिखाया जा रहा है, उसे देखते हुए कहीं न कहीं लगने लगा है, जैसे जमात के लोगों द्वारा जानबूझकर देश में कोरोना संक्रमण फैलाया जा रहा है। इन नर पिशाचों के इरादे कितने खतरनाक हैं, यह इसी से पता चलता है कि जब इन्हें निजामुद्दीन मरकस से डीटीसी की बसों से इलाज के लिए अस्पतालों तक ले लाया जा रहा था तो ये चेहरे से मास्क हटाकर स्वास्थ्य कर्मियों, पुलिस वालों और सड़क पर थूक रहे थे। जिस कोरोना से आज पूरी दुनिया भयाक्रांत है, अगर उसी कोरोना को ये लोग जानबूझकर थूक-थूककर हर जगह फैलाने का घृणित प्रयास कर रहे हैं तो यह इनकी जेहादी मानसिकता का स्पष्ट परिचायक है। इस जेहादी मानसिकता का एकमात्र इलाज यही है कि समय रहते ऐसे जहरीले नागों का फन कुचल दिया जाए। दिल्ली के निजामुद्दीन में तब्लीगी जमात के एक कार्यक्रम में शामिल होने आए हजारों लोगों में से बहुत सारे लोग देशभर के विभिन्न इलाकों में अपने-अपने गांव या शहर वापस लौट चुके हैं। ऐसे लोगों की तलाश किया जाना बहुत मुश्किल हो रहा है और इनकी वजह से कोरोना संक्रमण देश के विभिन्न हिस्सों में तेजी से फैलने का खतरा भी गहरा गया है। दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय से जुड़े लोगों को उन्हीं के कुछ लोगों द्वारा सोशल मीडिया के जरिये अफवाहें फैलाकर यह कहते हुए गुमराह किया जा रहा है कि 'कोरोना' मुसलमानों के खिलाफ एक बड़ी साजिश है। इसी के चलते कोरोना से जंग जीतने के प्रयासों में जुटे डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ और पुलिस वालों पर जगह-जगह हमले किए जा रहे हैं।

एक ओर डॉक्टर, नर्स, पुलिस जैसे हमारे कोरोना योद्धा अपनी जान पर खेलकर कोरोना से जंग जीतने की कोशिशों में जुटे हैं, वहीं ऐसे समाज विरोधी तत्व जिस प्रकार इन प्रयासों में हर कदम पर बाधा पहुंचा रहे हैं, ऐसे अपराध के लिए इस तरह के लोगों को ऐसा कड़ा दण्ड दिए जाने की सख्त आवश्यकता है, जिससे इनके परिजनों की भी रूह कांप उठे और इनकी सात पीढ़ियां तक ऐसा करने के बारे में सपने में भी न सोच सकें। वर्तमान परिस्थितियों में हमारे स्वास्थ्य कर्मी किसी मसीहा से कम नहीं हैं लेकिन कोरोना के संदिग्ध माने जा रहे जमातियों द्वारा हर जगह स्वास्थ्य परीक्षण में असहयोग करने और बेहूदगी की सारी हदें पार करने के कारण संक्रमण बढ़ने के खतरे के साथ-साथ मेडिकल स्टाफ की चुनौतियां भी कई गुना बढ़ गई हैं। दरअसल जमातियों की बेहूदगी की पराकाष्ठा को देखते हुए कई अस्पतालों में मेडिकल स्टाफ से महिला स्टाफ को पूरी तरह हटाने को विवश होना पड़ा है। अधिकांश अस्पतालों से इस तरह की खबरें सामने आ रही हैं कि ये लोग किस प्रकार मेडिकल स्टाफ के साथ न केवल दुर्व्यवहार और अश्लील हरकतें कर रहे हैं बल्कि जगह-जगह थूकने के अलावा अपने हाथों पर थूक लगाकर दीवारों, रेलिंग इत्यादि सभी जगहों पर पोत रहे हैं। गाजियाबाद के अस्पताल में तो छह जमातियों ने नर्सों के सामने अपने सारे कपड़े उतारकर और अश्लील हरकतें कर अपनी सड़ी-गली मानसिकता का स्पष्ट परिचय भी दिया था। आश्चर्य होता है यह जानकर, जब जलील हरकतें करने वाले जमातियों के परिजन यह कहते देखे जाते हैं कि अभी तो देखा ही क्या है, ये तो अभी और भी बहुत कुछ कर सकते हैं।

इन लोगों की कैसी फितरत है और उन्हें कैसा जेहादी पाठ पढ़ाया जाता है, यह इसी से समझा जा सकता है कि जमात का मौलाना साद कंधालवी खुद लोगों को यह कहकर भड़काता रहा कि यह सब जमात के विरूद्ध एक साजिश है और सोशल डिस्टेंसिंग की कोई जरूरत नहीं है। सरकारी सख्ती देखते हुए मौलाना साद ने खुद को तो क्वारंटाइन कर लिया लेकिन अपने जमातियों के दिलोदिमाग में जहर भरकर उन्हें समाज के बीच पूरे देश को संक्रमित करने के लिए खुला छोड़ दिया। इन लोगों की मानसिकता इतनी जहरीली बना दी गई है कि ये लोग इन्हें बचाने वालों पर ही थूक रहे हैं, उन्हीं को अपना निशाना बना रहे हैं। दुनिया में कोई भी धर्म हो, उसके मूल में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का ही संदेश निहित होता है लेकिन जमातियों की मानसिकता इस कदर जेहादी बना दी गई है कि उन्हें अपना ही भला नजर नहीं आ रहा है। ऐसे लोगों को लाख समझाने पर भी उन्हें समझ नहीं आ रहा कि दुनियाभर में हजारों लोगों की जान ले चुका कोरोना वायरस किसी का धर्म या सम्प्रदाय देखकर उस पर हमला नहीं करता और ऐसे अदृश्य दुश्मन से लड़ने वाले डॉक्टर तथा नर्से ही हमारे सच्चे हितैषी हैं। उत्तर प्रदेश के अनेक इलाकों के अलावा, इन्दौर, बेंगलुरू, हैदराबाद, मुंगेर, रांची, मधुबनी इत्यादि देश के विभिन्न स्थानों से ऐसे ही लोगों द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों और पुलिस पर किए जा रहे लगातार हमलों से कोरोना से जंग के मामले में हालात भयावह होते जा रहे हैं। अपने साथ दूसरों की जान को भी खतरे में डाल रहे ऐसे निकृष्ट लोग देश और समाज के समक्ष सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आए हैं। ऐसे तमाम लोगों पर नकेल कसते हुए इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कठोरतम दण्ड दिया जाना समय की मांग है। इससे जहां पुलिस तथा स्वास्थ्यकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा, वहीं शैतानी मानसिकता वाले उपद्रवियों के हौंसले भी पस्त होंगे।

केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में डॉक्टरों का भगवान का दर्जा दिया जाता है क्योंकि भगवान के बाद डॉक्टर ही हैं, जिनसे किसी भी व्यक्ति की जिंदगी बचाने की उम्मीद की जाती है।

दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके से निकाले गए 2361 जमातियों में से बहुत सारे कोरोना संक्रमित पाए जा चुके हैं लेकिन इसके बावजूद अस्पतालों में शांति से अपना इलाज कराने के बजाय इनमें से अधिकांश द्वारा जिस तरह का घिनौना और गैरजिम्मेदाराना रवैया दिखाया जा रहा है, उसे देखते हुए कहीं न कहीं लगने लगा है, जैसे जमात के लोगों द्वारा जानबूझकर देश में कोरोना संक्रमण फैलाया जा रहा है।

opensearch

सब मिलकर करें कोरोना से मुकाबला

रमेश सर्राफधमोरा

कोरोना संकट के चलते देश में लॉक डाउन लागू है। देश के सभी लोग अपने-अपने घरों में सिमटे हुये हैं। लाक डाउन के चलते कोई घरों से बाहर नहीं निकल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न माध्यमों से बार-बार देश की जनता से अपील कर रहे हैं कि वह कोरोना से बचाव के लिए अपने अपने घरों में ही रहे व सोशल डिस्टेंस मेंटेन करें। कोरोना के बढ़ते प्रभाव के मध्य नजर महाराष्ट्र, पंजाब व चंडीगढ़ में कर्फ्यू लगा हुआ है। कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। देश के अधिकांश प्रदेशों को कोरोना अपनी चपेट में ले चुका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन पूर्व में ही कोराना को वैश्विक महामारी घोषित कर चुका है। दुनिया के अधिकांश देश इस महामारी की चपेट में है। सभी देश अपने अपने स्तर पर इस महामारी से मुकाबला कर रहे हैं। चीन के बाद यूरोप के अधिकांश देश अमेरिका, स्पेन इस महामारी की भयंकर चपेट में आए हुए हैं। देश के लोगों को कोरना से बचाने के लिए केंद्र सरकार सभी राज्यों की सरकारों के साथ तालमेल कर इस पर काबू पाने का गंभीरता से प्रयास कर रही है। सरकार के प्रयासों के चलते कोरोना के प्रभाव में कमी देखने को मिल रही थी कि यकायक गत 2 दिनों से कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या में एकाएक बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसका कारण है दिल्ली के निजामुद्दीन एरिया में तबलीगी जमात में हजारों लोगों का एक साथ एकत्रित होना और फिर उनका देश के विभिन्न प्रदेशों में निकल कर वहां के लोगों से मेल मिलाप करना। जहां पूरे देशवासी कोरोना महामारी से मिलकर मुकाबला कर रहे हैं वही तबलीगी जमात के लोगों ने इस लड़ाई को कमजोर कर कोरोना को फैलने में सहयोग दिया है। तबलीगी जमात से निकले लोग देश के विभिन्न भागों में कोरोना के वाहक बनकर घूम रहे हैं। केंद्र व दिल्ली सरकार की पाबंदियों के बाद भी तबलीगी जमात के आयोजको ने सरकारी नियमों को तोडकर हजारों की संख्या में वहां लोगों को एकत्रित किया। जिनमें भारत के सभी प्रदेशों के अलावा विदेशों के भी हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए थे। देश में कोरोना वायरस के करीब 400 मामले तबलीगी जमात के कारण सामने आए हैं और यह आंकड़ा आने वाले दिनों में और बढ़ सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय इन सभी मामलों में संपर्क में आने वाले लोगों की शिनाख्त करने में जुटा हुआ है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने भी अब तक तबलीगी जमात में शामिल हुये 9000 लोगों को चिन्हित किया है जिसमें से 1306 लोग विदेशी हैं। इन विदेशी नागरिकों के वीजा की जांच चल रही है। तबलीगी जमात में शामिल लोगों को विभिन्न प्रदेशों में आज भी ढूंढा जा रहा है। अकेले दिल्ली में ही जमात में शामिल हुए करीबन 400 लोगों को कोरोना पॉजिटिव होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसी तरह देश के विभिन्न भागों में जमात से निकले हजारों लोग देश के विभिन्न भागों में कोरोना रोग से पीड़ित है तथा वे स्वयं सामने आकर अपनी चिकित्सा जांच नहीं करवा रहे हैं जो एक जघन्य अपराध है। इसके अलावा देश के कई भागों में कोरोना संदिग्धों की जांच करने व उनको घर में रहने के लिये पाबंद करने के लिए उनके यहां जा रही चिकित्सकों की टीम पर भी सामूहिक रूप से हमले किए जा रहे हैं। जिसकी पूरे देश में निंदा हो रही है। कोरोना महामारी से लडने के लिए देश में केंद्र व राज्य सरकारो ने आपसी समन्वय स्थापित कर इसकी रोकथाम के लिए लगी हुई है। वहीं कुछ राजनीतिक दल सरकार पर टीका टिप्पणी भी कर रहे हैं। जिसके लिये अभी समय नहीं हैं। लाक डाउन की घोषणा के बाद देश के विभिन्न प्रदेशों में रह रहे प्रवासी मजदूरों को वहां से भगाने के लिए कुछ लोगों ने अफवाह फैला कर उनको डरा दिया था कि यहां रहे तो भूखे मर जाओगे सरकार उनके खाने की कोई व्यवस्था नहीं करेगी। जिस कारण देश में एकाएक अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया था व लाखों लोग सडकों पर निकल पड़े थे। दिल्ली में यूपी बार्डर पर लाखों की भीड़ एकत्रित हो गयी थी। लोग लोकडाउन के नियमों का उल्लंघन करते हुए सडकों पर निकल कर पैदल ही अपने घरो की तरफ चल पड़े थे। इससे देश में अव्यवस्था फैलने लगी। इस पर केंद्र सरकार ने सभी प्रदेश सरकारों को सख्त निर्देश दिया की अपने-अपने प्रदेश में जिलों की सीमा को पूरी तरह सील कर अपने घरों के लिए निकले हुए लोगों को जहां है उसी स्थान पर रोककर उनके खाने-पीने, रहने व चिकित्सा सुविधा की पूरी व्यवस्था करें। उन्हें किसी तरह की कोई तकलीफ ना होने दें। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद मजदूरों का पलायन रुक पाया। इसी दौरान कुछ लोगों ने लोक डाउन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी सरकार के खिलाफ याचिका लगाई थी। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे माहौल में सरकार जो कार्यवाही कर रही है वह संतोषजनक है। कांग्रेस पार्टी भी लोक डाउन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाकर अचानक लोक डाउन करने के सरकार के निर्णय को गलत बताया है। सोनिया गांधी केंद्र सरकार से कॉमन मिनिमम प्रोग्राम लागू करने की मांग कर रही है। वहीं कांग्रेस के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, पी चिदंबरम, कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी लगातार सरकार पर निशाना साध रहे हैं। माकपा ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र रिलीफ फंड बनाने पर सवाल उठाते हुए कहा है कि जब पहले से ही देश में प्रधानमंत्री सहायता कोष मौजूद है तो दूसरा कोष बनाने का क्या औचित्य है?

लॉकडाउन बन रहा है घरेलू हिंसा का कारण

शालू अग्रवाल

कोरोना वायरस जैसी वैश्विक महामारी से निपटने के लिए सरकार द्वारा लॉकडाउन का फैसला एक तरफ जहां कारगर साबित हो रहा है तो वहीं दूसरी ओर इसके नकारात्मक परिणाम भी सामने आने लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 के कारण किये गए लॉक डाउन के बाद दुनिया भर में घरेलू हिंसा के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। ब्रिटेन के एक प्रमुख समाचारपत्र श्द गार्जियनश् में प्रकाशित खबर के अनुसार कोरोना वायरस महामारी की शुरुआत के बाद से ब्रिटेन में घरेलू हिंसा से संबंधित मिलने वाले केसों में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि दर्ज की गई है। अखबार ने घरेलू हिंसा पीड़ितों की मदद करने वाले यूके के 25 से अधिक संगठनों की रिपोर्ट के आधार पर यह खबर प्रकाशित किया है।

घरेलू हिंसा के इस दाग से भारत भी अछूता नहीं है। आउटलुक पत्रिका में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, 'राष्ट्रीय महिला आयोग में लॉकडाउन के दौरान लिंग आधारित हिंसा में दोगुने से अधिक की वृद्धि दर्ज कराई गई है। मार्च के पहले सप्ताह में जहां घरेलू हिंसा के 116 केस दर्ज कराये गए वहीं अंतिम सप्ताह (25 मार्च-अप्रैल 01) के दौरान यह संख्या बढ़कर 257 हो गई। आयोग की अध्यक्षा रेखा शर्मा के अनुसार घरेलू हिंसा के मामले सबसे अधिक उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और पंजाब में दर्ज किये गए हैं। ये ऐसे मामले हैं जो महिलाओं द्वारा बताए गए हैं, जो विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से आयोग तक पहुंच सकी है। यदि भारत के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में होने वाली घरेलू हिंसा की रिपोर्ट दर्ज कराई जाएँ तो यह आंकड़ा और भी भयावह हो सकता है। लॉकडाउन से पहले, इस साल जनवरी में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी एक रिपोर्ट से पता चलता है कि वर्ष 2018 में महिलाओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत दर्ज किये गए कुल अपराधों में घरेलू हिंसा सबसे अधिक थी। दर्ज कराये गए मामलों में 31.9 प्रतिशत श्पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरताश् के तहत दर्ज किए गए थे। इसी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साल 2018 में उत्तर प्रदेश महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित राज्य रहा। जहां महिला हिंसा के 59,445 मामले दर्ज कराये गए। इन अपराधों में 2,444 केस दहेज हत्या के रूप में जबकि 284 मामले महिलाओं को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के रूप में दर्ज कराये गए थे। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार पश्चिमी उत्तरप्रदेश का रिकॉर्ड इस संबंध में सबसे खराब रहा है। वर्ष 2016 से 2018 के बीच पश्चिमी उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद और मेरठ जिलों में पतियों द्वारा पत्नियों की हत्या के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। 13 मार्च, 2018 को मेरठ के बहसूमा थाना इलाके के अनुज ने अपनी पत्नी ममता का कत्ल कर दिया। तो वहीं कंकरखेड़ा के प्रवीण पाल ने 27 मार्च, 2018 को अपनी पत्नी विमलेश की हत्या कर दी थी। 2 अप्रैल, 2018 को ज्योति को उसके पति अमित ने मार दिया था। जावेद ने 8 सितंबर को अपनी पत्नी रिजवाना की हत्या कर दी थी। जनवरी 2019 में रोहटा में मनीता की हत्या उसके पति अजय ने की थी। इन क्रूर हत्याओं के पीछे एक तरफ जहां दहेज की मांग थी, वहीं अवैध संबंध भी एक बड़े कारक के रूप में सामने आया है। ऐसे में लॉक डाउन के दौरान स्थिति के और भी खराब होने की आशंका को बल मिलता है। इस संबंध में मनोवैज्ञानिक डॉ काशिका जैन का कहना है कि 'घरेलू हिंसा पति पत्नी के बीच मामूली कहासुनी से शुरू होती है, जो जल्द ही एक बड़े वैचारिक मतभेदों में बदल जाती हैं। यह मतभेद अक्सर विवाहित जोड़े के बीच सामंजस्य को नष्ट कर देता है। विशेष रूप से पुरुष अपनी महिला साथी के प्रति असहिष्णु होते हैं। वह जल्द धैर्य खो देते हैं और दंडित करने के उद्देश्य से अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या तक कर देते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अतुल शर्मा के अनुसार, पश्चिमी यूपी में अपराध का दृश्य बेहद भयावह है। 'महिलाओं के खिलाफ अपराध दर को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन दोनों को गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है।ष् उन्होंने कहा कि एक महिला का उसके पति और उनके रिश्तेदारों द्वारा हत्या न केवल पूरी तरह से अपमानजनक और अस्वीकार्य है बल्कि सभ्य समाज पर एक बदनुमा दाग भी है।

राजनीति

विज्ञान नहीं आध्यात्म से जीतता भारत

डॉ. नीलम महेंद्र

शक्ति कोई भी हो दिशाहीन हो जाए तो विनाशकारी ही होती है लेकिन यदि उसे सही दिशा दी जाए तो सृजनकारी सिद्ध होती है। शायद इसीलिए प्रधानमंत्री ने 5 अप्रैल को सभी देशवासियों से एकसाथ दीपक जलाने का आह्वान किया जिसे पूरे देशवासियों का भरपूर समर्थन भी मिला।। जो लोग कोरोना से भारत की लड़ाई में प्रधानमंत्री के इस कदम का वैज्ञानिक उत्तर खोजने में लगे हैं वे निराश हो सकते हैं क्योंकि विज्ञान के पास आज भी अनेक प्रश्नों के उत्तर नहीं हैं। हाँ लेकिन संभव है कि दीपक की लौ से निकलने वाली ऊर्जा देश के 130 करोड़ लोगों की ऊर्जा को एक सकारात्मक शक्ति का वो आध्यात्मिक बल प्रदान करे जो इस वैश्विक आपदा से निकलने में भारत को संबल दे। क्योंकि संकट के इस समय भारत जैसे अपार जनसंख्या लेकिन सीमित संसाधनों वाले देश की अगर कोई सबसे बड़ी शक्ति, सबसे बड़ा हथियार है जो कोरोना जैसी महामारी से लड़ सकता है तो वो है हमारी 'एकता'। और इसी एकता के दम पर हम जीत भी रहे थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेष दूत डॉ डेविड नाबरो ने भी अपने ताजा बयान में कहा कि भारत में लॉक डाउन को जल्दी लागू करना एक दूरदर्शी सोच थी,साथ ही यह सरकार का एक साहसिक फैसला था। इस फैसले से भारत को कोरोना वायरस के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ने का मौका मिला।

लेकिन जब भारत में सबकुछ सही चल रहा था, जब इटली, ब्रिटेन, स्पेन, अमेरिका जैसे विकसित एवं समृद्ध वैश्विक शक्तियाँ कोरोना के आगे घुटने

'पीएम मोदी के लॉकडाउन के आदेशों का पूरी तरह दिल्ली में होगा पालन'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लॉकडाउन के 21 दिन पूरे होने पर लॉकडाउन की मियाद बढ़ाने की घोषणा की है। अब पूरे देश में 3 मई तक लॉकडाउन रहेगा। इसे लेकर सीएम केजरीवाल ने ट्वीट किया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लॉकडाउन के आदेश को दिल्ली में पूरी तरह से लागू होगा। बता दें कि इससे पहले सीएम अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक में लॉकडाउन को 3 अप्रैल तक बढ़ाने का सुझाव दिया था। साथ ही कई राज्यों के सीएम ने भी लॉकडाउन बढ़ाने का सुझाव दिया था। जिसके बाद आज पीएम मोदी ने कहा कि कई राज्यों से विचार-विमर्श करने के बाद देशभर में 3 मई तक लॉकडाउन बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

दिल्ली में शुरू हुई गर्मियां, पालम में 40 डिग्री तक पहुंचा तापमान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आज यहां का अधिकतम तापमान 4 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक गर्मियां आ चुकी हैं। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में भी बदलाव हुआ। मौसम विभाग के अधिकारियों की मानें तो दिल्ली में गर्मियों का आगमन हो चुका है। मंगलवार को यहां सीजन का सबसे अधिक 39.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है। आने वाले दिनों में इसके और अधिक बढ़ने की संभावनाएं हैं। खास बात है कि न्यूनतम तापमान भी इन दिनों 22 डिग्री को पार कर गया है। प्रादेशिक मौसम केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली का अधिकतम तापमान 39 और 4 डिग्री के आसपास जबकि न्यूनतम 22 और 23 डिग्री के आसपास बना हुआ है। उमस का स्तर भी इन दिनों 31 और 79 फीसदी तक है। बीते 2-3 दिनों में यहां लोगों के कूलर और एसी भी चलना शुरू हो गए हैं।

लॉकडाउन: 'कांग्रेस की रसोई' को डॉ. भीमराव अंबेडकर को किया समर्पित

नई दिल्ली। आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्मदिवस है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने आदर्श नगर इलाके में चल रही कांग्रेस की रसोई को आज के लिए संविधान निर्माता को समर्पित किया है। ज्ञात रहे कि लॉकडाउन के कारण गरीब लोगों के लिए खाने का संकट पैदा हो गया है। वहीं कांग्रेस सहित कई राजनीतिक पार्टियां गरीब लोगों की मदद के लिए आगे हैं। कांग्रेस रसोई चलाने वाले कार्यकर्ता नवीन भारद्वाज का कहना ही कि शुरू से ही यहां पर एक हजार से ज्यादा लोग खाना खा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन जब तक जारी रहेगा, तब तक हर जिले में कांग्रेस की रसोई ऐसे ही चलती रहेगी। इस दौरान उन्होंने दिल्ली सरकार पर आरोप भी लगाए। नवीन कहा कि दिल्ली सरकार फेल साबित हो रही हैं।

3 मई तक वैध होंगे पहले जारी किए गए मूवमेंट पास: दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। देश में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए लॉकडाउन की मियाद 3 मई तक बढ़ा दी गई है। ऐसे में जरूरी सेवा से जुड़े व्यक्तियों को पहले मूवमेंट पास जारी किया गया था। अब दिल्ली पुलिस की तरफसे एक आदेश जारी किया गया है जिसमें यह बताया गया है कि पूर्व में जारी मूवमेंट पार्क की वैधता 3 मई तक रहेगी। दिल्ली पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव की तरफसे जारी एक आदेश के मुताबिक दिल्ली में 3 मई तक लॉकडाउन की मियाद बढ़ा दी गई है। ऐसे में जरूरी सेवा से जुड़े किसी भी व्यक्ति को घबराने की जरूरत नहीं है। पूर्व में जारी मूवमेंट पास अब 3 मई तक वैध रहेगा। उन्होंने सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों को भी निर्देशित करते हुए कहा कि किसी को भी बिना वजह परेशान करने की आवश्यकता नहीं है। अगर उनके पास पूर्व में जारी मूवमेंट पास है। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आदेश में इस बात का भी जिक्र है कि वैसे व्यक्ति जिनके पास ऑनलाइन मूवमेंट पास हैं, उन्हें एक ओरिजिनल आईडी अपने पास रखनी होगी। ताकि जरूरत पड़ने पर वह उसे जांच के लिए दिखा सकें।

दिल्ली पुलिस को पिछले 24 घंटे में लॉकडाउन के संबंध में 877 कॉल आई

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को सोमवार दोपहर दो बजे से मंगलवार दोपहर दो बजे तक अपनी हर वक्त चालू हेल्पलाइन पर 8 से ज्यादा फोन कॉल प्राप्त हुई। अधिकारियों ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान सामने आ रही समस्याओं में सहायता मांगने के संबंध में ये कॉल किए गए। पुलिस को 24 मार्च से घोषित बंदी के बाद से उसकी हेल्पलाइन (`11-23469526) पर 19,987 फोन आए हैं। पुलिस को सोमवार दोपहर दो बजे से मंगलवार दोपहर दो बजे तक 877 कॉल प्राप्त हुई। इन 877 कॉल में से, 37 कॉल दिल्ली के बाहर के इलाकों से संबंधित थे जिन्हें संबंधित राज्यों के हेल्पलाइन नंबर पर निर्दिष्ट किया गया। इसके अलावा 24 फोन कॉल भोजन और पैसे नहीं होंने से जुड़े हुए थे जिन्हें एनजीओ को फॉरवर्ड कर दिया गया। नौ कॉल चिकित्सीय मामलों से जुड़े हुए थे। पुलिस ने बताया कि हेल्पलाइन पर अन्य समस्याओं से जुड़ी कॉल भी आई। साथ ही कहा कि 625 कॉल आवागमन के पास से जुड़ी हुई थी।

दिल्ली में कार सवार ने डॉक्टर को कुचला, इलाज के दौरान मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत इलाके में कथित तौर पर हिट-एंड-रन केस में एक डॉक्टर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि डॉक्टर महरौली में स्थित नगर निगम की डिस्पेंसरी में तैनात थे। वह साइकिल से घर लौट रहे थे तभी एक कार सवार ने उनको कुचल दिया। घटना को अंजाम देकर कार चालक फरार हो गया। यह घटना सोमवार की है लेकिन पुलिस ने मामले की जानकारी मंगलवार को दी। पुलिस ने बताया कि डॉक्टर की कार खराब हो गई थी। लॉकडाउन की वजह से कार को मरम्मत नहीं करा पाए थे इसलिए वह साइकिल से ड्यूटी आ-जा रहे थे। सोमवार को वह शाम 3.3 बजे जैसे ही मालवीय नगर ट्रैफिक सिग्नल के पास पहुंचे एक कार ने उनको टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर डिस्पेंसरी से डॉक्टर के सहयोगी मौके पर पहुंचे और उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। फिलहाल साकेत पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी गई है।

लॉकडाउन ने पकड़वाया शातिर बाइक चोर, पहले से दर्ज हैं 16 मामले

नई दिल्ली। विकासपुरी थाना पुलिस टीम ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी की एक बाइक बरामद हुई है। डीसीपी वेस्ट दीपक पुरोहित ने बताया कि पकड़े गए वाहन चोर का नाम अक्षय है जो विकासपुरी का ही रहने वाला है। डीसीपी ने बताया कि एसीपी तिलक नगर राजेंद्र भाटिया की देख-रेख में विकासपुरी एसएचओ महेंद्र दहिया की टीम के कॉन्स्टेबल सुनील इलाके में पेट्रोलिंग कर लोगों को घरों में रहने के लिए जागरूक कर रहे थे। इसी दौरान कॉन्स्टेबल ने मोटरसाइकिल पर आते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। इसके बाद कॉन्स्टेबल ने मोटरसाइकिल चालक को रोककर उससे पूछताछ की परंतु वह पुलिस को कोई जवाब नहीं दे पाया। कॉन्स्टेबल ने ड्यूटी ऑफिसर को इस बारे में जानकारी दी और हेड कॉन्स्टेबल प्रदीप को व्यक्ति से पूछताछ करने के निर्देश दिए गए। पूछताछ में व्यक्ति ने बताया कि उसने यह मोटरसाइकिल विकासपुरी थाना इलाके से चुराई है।

सिद्धार्थन व ओपी शर्मा ने सफाई-कर्मचारियों को सुरक्षा किट, दस्ताने और मास्क किए वितरित

नई दिल्ली (ओपन सर्च) कोरोना संकट के दौरान गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी के नेतृत्व में दिन-रात एक कर जरूरतमंद लोगों तक राशन पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। प्रतिदिन प्रदेश महामंत्री सिद्धार्थन अलग-अलग जिलों में जाकर खाने की गुणवत्ता का स्वयं निरीक्षण कर रहे हैं। सिद्धार्थन व भाजपा विधायक ओपी शर्मा ने सफाई-कर्मचारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा किट, दस्ताने और मास्क वितरित किए और सभी सफाई-कर्मचारियों का धन्यवाद किया।

हैश टैग फीडदनीडी अभियान के संयोजक व प्रदेश महामंत्री कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि पदाधिकारी व भाजपा कार्यकर्ता लॉकडाउन में फंसे जरूरतमंदों को नियमित रूप से सुबह-शाम ताजा भोजन उपलब्ध करा रहे हैं। प्रदेश में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए तथा खाने की बर्बादी भी न हो इसका खास ध्यान रखा जा रहा है। इस वैश्विक महामारी के कारण किसी को घबराना नहीं है व किसी भी व्यक्ति को कहीं भी आवश्यक सामग्री व राशन सामग्री या भोजन की आवश्यकता हो तो वह अपने आसपास के भाजपा कार्यकर्ता को इससे अवगत कराएं। अब जबकि लॉक डाउन 3 मई तक होने वाला है, ऐसे समय में भी हमारे पास जरूरतमंद की मदद के लिए सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी जरूरतमंद या गरीब परिवार को इस दौरान जीवन-यापन को लेकर कोई भी समस्या ना हो

हैश टैग फीडदनीडी कार्यक्रम के सह-संयोजक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव बब्बर ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कुल मिलाकर आज तक दिल्ली में 26 लाख `3 हजार 347 लोगों तक खाद्य सामग्री एवं भोजन पहुंचाया जा चुका है। दिल्ली में 12 अप्रैल को 1 लाख 81 हजार 111 जरूरतमंद लोगों को खाने के पैकेट और 19 हजार `33 लोगों को राशन के साथ अन्य जरूरी सामान वितरित किए गए, जिससे 2 लाख 144 लाभान्वित हुए। हैश टैग फीडदनीडी योजना के तहत आज तक पश्चिमी दिल्ली के 1 लाख 16 हजार 857 लोग, केशवपुरम के 4 लाख 491, नजफगढ़ के 1 लाख 6 हजार 754, उत्तर पश्चिमी के 2 लाख 18 हजार 147, बाहरी दिल्ली के 1 लाख 15 हजार 6, दक्षिणी दिल्ली के 1 लाख 65 हजार 272, महरौली के 2 लाख 5 हजार 368, मयूर विहार के 1 लाख `2 हजार 914, शाहदरा के 44 हजार 15, नवीन शाहदरा के 1 लाख 31 हजार `94, उत्तर पूर्वी के 2 लाख 97 हजार 15, नई दिल्ली के 1 लाख 56 हजार 431, करोल बाग के 2 लाख 22 हजार 972, चांदनी चौक के 2 लाख 21 हजार 237 जरूरतमंद लोग लाभान्वित हुए हैं।

स्पेशल सेल के हत्थे चढ़ा 1 लाख रुपए का इनामी बदमाश बिजेंद्र

नई दिल्ली.एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने वांछित चल रहे अलावा टेक्निकल सर्विलांस की मदद से उसकी तलाश कर रही

एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान बिजेंद्र उर्फ गदगु के रूप में की गई है। बदमाश के खिलाफ दिल्ली और हरियाणा में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। डीसीपी संजीव यादव के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय बदमाशों की तलाश में स्पेशल सेल की टीम सक्रिय थी। इस दौरान उन्हें पता चला कि बिजेंद्र उर्फ गदगु काफी समय से फरार चल रहा है। दिल्ली पुलिस के अलावा हरियाणा पुलिस को भी उसकी तलाश थी। इसके चलते पुलिस अपने मुखबिर तंत्र के थी। इस दौरान उन्हें सूचना मिली कि आरोपी अपने किसी साथी से मिलने के लिए आएगा। इसी जानकारी पर स्पेशल सेल ने बिजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर दिल्ली और हरियाणा में हत्या, लूटपाट, आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं। वर्ष 217 में बिजेंद्र ने एक जघन्य अपराध को अंजाम दिया था, जिसमें उसकी गिरफ्तारी पर एल लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस मामले में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर हनीट्रैप में एक शख्स को फंसाकर उसकी हत्या कर दी थी। हत्या के बाद शव को करनाल में फेंक दिया गया था।

गांव एवं बस्तियों में कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए विशेष निर्देश

नोएडा। हॉटस्पॉट क्षेत्रों के अंतर्गत जहां आरडब्ल्यूए नहीं हैं, ऐसे गांव एवं बस्तियों में कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए डीएम ने विशेष निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार जनपद में हॉटस्पॉट क्षेत्रों में 7 स्थान ऐसे हैं, जहां पर आरडब्लूए नहीं है और ग्रामीण बस्ती है, जिसमें सेक्टर-5 एवं 8 की जेजे कॉलोनी, ग्राम पतवारी, ग्राम घोड़ी बछेड़ा, चौड़ा सादात पुर, कुलेसरा, विश्नोली एवं वाजिदपुर सम्मिलित है। यहां पर घनी बस्ती होने के कारण डीएम सुहास एल.वाई. के द्वारा जनसामान्य को कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षित करने उद्देश्य से संबंधि आवश्यक दिशा निर्देश विभागी अधिकारियों को दिए गए। पुलि के द्वारा यहां पर अतिरिक्त प्रया करते हुए सोशल डिस्टेंसिंग की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इसी प्रकार मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला सर्विलेंस अधिकारी सुनील दौहरे के द्वारा सभी स्थानों पर 3 सदस्य टीम बनाकर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जाएगा साथ ही कोरोना वायरस से संक्रमित संभावित व्यक्तियों के चिन्हीकरण का कार्य भी सुनिश्चित किया जाएगा और उन्हें क्वारैंटाइन कराने के साथ-साथ आवश्यक चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी के द्वारा ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण से संपर्क स्थापित कर सीएसआर के माध्यम से सैनिटाइज का कार्य सुनिश्चित कराया जाएगा। इसी प्रकार मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा प्रभारी अधिकारी डॉ. नेपाल सिंह के द्वारा यहां पर रेंडम सेंपलिंग भी की जाएगी ताकि इन घनी बस्तियों में आम नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाया जा सके।

अम्बेडकर जयंती: मुख्यमंत्री केजरीवाल ने लॉन्च किया बाबा साहेब को समर्पित गीत

नई दिल्ली.एजेंसी। देश आज बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती मना रहा है, लेकिन हर वर्ष की भांति इस वर्ष कोई कार्यक्रम या उत्सव का आयोजन नहीं हो सका। कोरोना के मद्देनजर देशभर में अभी लॉकडाउन है, हालांकि इसके बावजूद लोग अलग-अलग तरह से बाबा साहेब के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने [illegible] मौके पर एक गी[illegible] लॉन्च किया। [illegible] बाबा साहेब [illegible] समर्पित [illegible] गीत का मुखड़ा है- 'सब चल साथ देश रहे जिंदाबाद बाबा साहेब...' इसे गाया है मशहूर गायक और संगीतकार शंकर महादेवन ने। वहीं

इसे आईआरएस अधिकारी राजेश ढाबरे ने लिखा और कम्पोज किया है, जो अभी कस्टम में कमिश्नर हैं। शंकर महादेवन और राजेश ढाबरे के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने इस गाने को लॉन्च किया। इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिल्ली सरकार के एससी/एसटी मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम भी मौजूद रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक ट्वीट के जरिए बाबा साहेब को उनकी जयंती पर याद किया। उन्होंने लिखा- संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने इस देश के हर व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन दिलवाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने अपने विचारों, लेखों और आंदोलनों के माध्यम से पूरे समाज को राह दिखाने का काम किया। बाबा साहेब की जयंती पर उनको कोटि-कोटि नमन।

हम सबको पीएम मोदी द्वारा कहीं गई 7 बातों का विशेष रूप से पालन करना है: मनोज तिवारी

नई दिल्ली। पूरा विश्व आज वैश्विक महामारी कोरोना से लड़ रहा है और इसके संक्रमण से देशवासियों को बचाने के लिए देश में 21 दिनों का लॉक डाउन किया गया था जिसकी अवधि आज समाप्त होने वाली थी लेकिन विश्व में कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए आज राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉकडाउन को 3 मई तक बढ़ाने की घोषणा की और 7 बातों के लिए सभी देशवासियों का साथ मांगा। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि देश में कोरोनावायरस महामारी के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन बहुत

आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा यह निर्णय भारतवासियों की स्वास्थ्य रक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। हम सबको लॉकडाउन का पालन करते हुए उनकी सात बातों का भी हमें विशेष रूप से पालन करना है। श्री तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कहे गए 7 बातों को ध्यान में रखते हुए अपने घर के बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना है, विशेषकर ऐसे व्यक्ति जिन्हें पुरानी बीमारी हो, उन्हें कोरोना से बहुत बचाकर रखना है। लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना है और घर में बने फेसकवर, मास्क का इस्तेमाल करना है। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए आयुष मंत्रालय के निर्देशों का पालन करें और काढ़ा व गर्म पानी लें। कोरोना संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए आरोग्य सेतु ऐप को जरूर डाउनलोड करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। श्री तिवारी ने कहा कि जितना हो सके उतने गरीब परिवार की देखरेख करें व उनके भोजन की आवश्यकता पूरी करें। प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने स्तर पर कोरोना वायरस से लड़ रहा है इसलिए हर किसी की नौकरी उसके लिए महत्वपूर्ण है। मेरा सभी से आग्रह है इस संकट की घड़ी में अपने बिजनेस व उद्योग में काम करने वालों के प्रति संवेदना रखें और उन्हें नौकरी से न निकालें। दिल्ली के नगर निगम कर्मचारियों पुलिस प्रशासन डॉक्टर नर्स व मेडिकल स्टाफ को नमन करते हुए तिवारी ने कहा कि दिल्ली को कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए यह योद्धा निरंतर काम कर रहे हैं और हमें इनका सम्मान करना चाहिए।

दिल्ली में राममनोहर लोहिया अस्पताल में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा मौत

नई दिल्ली.एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिए तैयार किए गए विभिन्न अस्पतालों में से एक राममनोहर लोहिया अस्पताल में कोविड-19 से सबसे ज्यादा मौत हुई हैं। मंगलवार को मिले आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि रविवार तक हुई 24 मौत में से 12 मौत राममनोहर लोहिया अस्पताल में हुई हैं। एलएनजेपी अस्पताल में तीन लोगों की मौत हुई जबकि एक निजी अस्पताल में पांच लोगों की मौत हुई। इसके अलावा, सफदरजंग अस्पताल, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और एम्स-झज्जर में एक-एक मरीज की मौत हुई। संक्रमण से प्रभावित एक व्यक्ति की मौत घर पर हुई। राममनोहर लोहिया अस्पताल ने मरीजों की स्थिति के बारे में एक बयान में कहा, ''हमारे अस्पताल में कोरोना वायरस के कारण जान गंवाने वाले अधिकतर ऐसे मरीज थे, जिन्हें बहुत बाद में दूसरे अस्पतालों से यहां भेजा गया था और वे पहले से ही गंभीर बीमारियों से प्रभावित थे।'' बयान में कहा गया कि जिन मरीजों को शुरुआत में ही अस्पताल में भर्ती कराया गया या जो पहले से गंभीर रोगों से प्रभावित नहीं थे, उनकी हालत में अब सुधार हो रहा है। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के 1,51 मामले थे। कुल 1,51 मामलों में, 35 आरएमएल अस्पताल से जुड़े हैं, जिनमें 23 अभी संक्रमित हैं और बाकी 12 की मौत हो चुकी है।

महापौर ने दी भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनकी वर्षगांठ पर अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारतीय संविधान के शिल्पी एवं भारत के लोगों की शक्ति एवं प्रेरणा भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनकी वर्षगांठ पर उत्तरी दिल्ली के महापौर अवतार सिंह ने श्रद्धासुमन अर्पित किये। महापौर ने 1 लान्सर रोड स्थित महापौर निवास पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित की। महापौर ने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारत के महान सपूतों में से एक थे जिन्होंने भारत के संविधान को स्वरूप देने के साथ-साथ समाज के गरीब तथा दलित वर्ग के उत्थान के लिए अथक प्रयास किया। वे समाज के वंचित वर्ग के आत्म सम्मान तथा सामाजिक न्याय के लिए संघर्श के प्रतीक बन गये। वे विद्वान होने के साथ ही कुशग्र बुद्धि एवं दूरदृश्टि रखने वाले महान व्यक्तित्व थे। राश्ट्र निर्माण में उनका योगदान अमूल्य एवं अमिट है।

उत्तरी दिल्ली महापौर ने पीएम केयर फंड में दिया योगदान

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर अवतार सिंह ने 'प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और आपातकालीन स्थिति निधि राहत' (पीएम-केयर्स) कोष में 51,000 रुपए का योगदान किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने और संक्रमितों व गरीबों तक हर संभव सहायता पहुचाने के कार्य में लगे हुए है, देश के नागरिक को रूप में हमें भी अपना-अपना योगदान देना चाहिए। महापौर ने बताया कि न्यू अरूणा नगर कॉलोनी रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने 100000 रूपये और नवयुवक रामलीला कमेटी, कश्मीरी गेट ने 31000 रूपये का चेक दिया था, जिस में उन्होंने अपनी तरफ से 51,000 रूपये मिला कर पीएम- केयर्स में योगदान किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस जैसी वैश्विक स्वास्थ्य आपदा से निपटने के लिए हम सब देशवासियों को अडिग हो कर खडे रहना होगा तभी हम इसे हरा सकते है।

opensearch

भारत रत्न बाबासाहेब

भारत के संविधान निर्माता.... दलितों व पिछड़ो के मसीहा... समाज सुधार के प्रेरक...

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल , 1891 – 6 दिसंबर, 1956) एक भारतीय विधिवेत्ता थे। वे एक बहुजन राजनीतिक नेता, और एक बौद्ध पुनरुत्थानवादी होने के साथ साथ, भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार भी थे। उन्हें बाबासाहेब के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म एक गरीब अस्पृश्य परिवार मे हुआ था। बाबासाहेब आंबेडकर ने अपना सारा जीवन हिंदू धर्म की चतुवर्ण प्रणाली, और भारतीय समाज में सर्वव्यापित जाति व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष में बिता दिया। हिंदू धर्म में मानव समाज को चार वर्णों में वर्गीकृत किया है। उन्हें बौद्ध महाशक्तियों के दलित आंदोलन को प्रारंभ करने का श्रेय भी जाता है। बाबासाहेब अम्बेडकर को भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया है, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।

कई सामाजिक और वित्तीय बाधाएं पार कर, आंबेडकर उन कुछ पहले अछूतों मे से एक बन गये जिन्होने भारत में कॉलेज की शिक्षा प्राप्त की। आंबेडकर ने कानून की उपाधि प्राप्त करने के साथ ही विधि, अर्थशास्त्र व राजनीतिक विज्ञान में अपने अध्ययन और अनुसंधान के कारण कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स से कई डॉक्टरेट डिग्रियां भी अर्जित कीं। आंबेडकर वापस अपने देश एक प्रसिद्ध विद्वान के रूप में लौट आए और इसके बाद कुछ साल तक उन्होंने वकालत का अभ्यास किया। इसके बाद उन्होंने कुछ पत्रिकाओं का प्रकाशन किया, जिनके द्वारा उन्होंने भारतीय अस्पृश्यों के राजनैतिक अधिकारों और सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की। डॉ. आंबेडकर को भारतीय बौद्ध भिक्कू ने बोधिसत्व की उपाधि प्रदान की है।

प्रारंभिक जीवन

भीमराव रामजी आंबेडकर का जन्म ब्रिटिशों द्वारा केन्द्रीय प्रांत (अब मध्य प्रदेश में) में स्थापित नगर व सैन्य छावनी मऊ में हुआ था।[1] वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई मुरबादकर की 14 वीं व अंतिम संतान थे।[2] उनका परिवार मराठी था और वो अंबावडे नगर जो आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे है, से संबंधित था। वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो अछूत कहे जाते थे और उनके साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। अम्बेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत थे, और उनके पिता,भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे और यहां काम करते हुये वो सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा की डिग्री प्राप्त की थी। उन्होने अपने बच्चों को स्कूल में पढने और कड़ी मेहनत करने के लिये हमेशा प्रोत्साहित किया।

कबीर पंथ से संबंधित इस परिवार में, रामजी सकपाल, अपने बच्चों को हिंदू ग्रंथों को पढ़ने के लिए, विशेष रूप से महाभारत और रामायण प्रोत्साहित किया करते थे। उन्होने सेना मे अपनी हैसियत का उपयोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल से शिक्षा दिलाने मे किया, क्योंकि अपनी जाति के कारण उन्हें इसके लिये सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा था। स्कूली पढ़ाई में सक्षम होने के बावजूद आंबेडकर और अन्य अस्पृश्य बच्चों को विद्यालय मे अलग बिठाया जाता था और अध्यापकों द्वारा न तो ध्यान ही दिया जाता था, न ही कोई सहायता दी जाती थी। उनको कक्षा के अन्दर बैठने की अनुमति नहीं थी, साथ ही प्यास लगने प ?र कोई ऊँची जाति का व्यक्ति ऊँचाई से पानी उनके हाथों पर पानी डालता था, क्योंकि उनको न तो पानी, न ही पानी के पात्र को स्पर्श करने की अनुमति थी। लोगों के मुताबिक ऐसा करने से पात्र और पानी दोनों अपवित्र हो जाते थे। आमतौर पर यह काम स्कूल के चपरासी द्वारा किया जाता था जिसकी अनुपस्थिति में बालक आंबेडकर को बिना पानी के ही रहना पड़ता था। 1894 मे रामजी सकपाल सेवानिवृत्त हो जाने के बाद सपरिवार सतारा चले गए और इसके दो साल बाद, अम्बेडकर की मां की मृत्यु हो गई। बच्चों की देखभाल उनकी चाची ने कठिन परिस्थितियों में रहते हुये की। रामजी सकपाल के केवल तीन बेटे, बलराम, आनंदराव और भीमराव और दो बेटियाँ मंजुला और तुलासा ही इन कठिन हालातों मे जीवित बच पाये। अपने भाइयों और बहनों मे केवल अम्बेडकर ही स्कूल की परीक्षा में सफल हुए और इसके बाद बड़े स्कूल मे जाने में सफल हुये। अपने एक देशस्त ब्राह्मण शिक्षक महादेव अम्बेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे के कहने पर अम्बेडकर ने अपने नाम से सकपाल हटाकर अम्बेडकर जोड़ लिया जो उनके गांव के नाम 卐अंबावडे卐 पर आधारित था।

रामजी सकपाल ने 1898 मे पुनर्विवाह कर लिया और परिवार के साथ मुंबई (तब बंबई)चले आये। यहाँ अम्बेडकर एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित गवर्न्मेंट हाई स्कूल के पहले अछूत छात्र बने।[3] पढ़ाई में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद, अम्बेडकर लगातार अपने विरुद्ध हो रहे इस अलगाव और, भेदभाव से व्यथित रहे। 1907 में मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद अम्बेडकर ने बंबई विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और इस तरह वो भारत में कॉलेज में प्रवेश लेने वाले पहले अस्पृश्य बन गये। उनकी इस सफलता से उनके पूरे समाज मे एक खुशी की लहर दौड़ गयी , और बाद में एक सार्वजनिक समारोह उनका सम्मान किया गया इसी समारोह में उनके एक शिक्षक कृष्णजी अर्जुन केलूसकर ने उन्हें महात्मा बुद्ध की जीवनी भेंट की, श्री केलूसकर, एक मराठा जाति के विद्वान थे। अम्बेडकर की सगाई एक साल पहले हिंदू रीति के अनुसार दापोली की, एक नौ वर्षीय लड़की, रमाबाई से तय की गयी थी।[3] 1908 में, उन्होंने एलिफिंस्टोन कॉलेज में प्रवेश लिया और बड़ौदा के गायकवाड़ शासक सहयाजी राव तृतीय से संयुक्त राज्य अमेरिका मे उच्च अध्धयन के लिये एक पच्चीस रुपये प्रति माह का वजीफ़ा प्राप्त किया। 1912 में उन्होंने राजनीतिक विज्ञान और अर्थशास्त्र में अपनी डिग्री प्राप्त की, और बड़ौदा राज्य सरकार की नौकरी को तैयार हो गये। उनकी पत्नी ने अपने पहले बेटे यशवंत को इसी वर्ष जन्म दिया। अम्बेडकर अपने परिवार के साथ बड़ौदा चले आये पर जल्द ही उन्हें अपने पिता की बीमारी के चलते बंबई वापस लौटना पड़ा, जिनकी मृत्यु 2 फरवरी 1913 को हो गयी।

छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष

भारत सरकार अधिनियम 1919, तैयार कर रही साउथबोरोह समिति के समक्ष, भारत के एक प्रमुख विद्वान के तौर पर अम्बेडकर को गवाही देने के लिये आमंत्रित किया गया। इस सुनवाई के दौरान, अम्बेडकर ने दलितों और अन्य धार्मिक समुदायों के लिये पृथक निर्वाचिका और आरक्षण देने की वकालत की। 1920 में, बंबई में, उन्होंने साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरूआत की। यह प्रकाशन जल्द ही पाठकों मे लोकप्रिय हो गया, तब, अम्बेडकर ने इसका इस्तेमाल रूढ़िवादी हिंदू राजनेताओं व जातीय भेदभाव से लड़ने के प्रति भारतीय राजनैतिक समुदाय की अनिच्छा की आलोचना करने के लिये किया। उनके दलित वर्ग के एक सम्मेल[illegible] के दौरान दिये [illegible]षण [illegible] कोल्हापुर राज्य के स्थानीय शासक शाहू चतुर्थ को [illegible]हत प्रभावित किया, जिनका अम्बेडकर के साथ भोजन करना रूढ़िवादी समाज मे हलचल मचा गया। अम्बेडकर ने अपनी वकालत अच्छी तरह जमा ली, और बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना भी की जिसका उद्देश्य दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये काम करना था। सन् 1926 में, वो बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही उन्होनें अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया। उन्होंने महड में अस्पृश्य समुदाय को भी शहर की पानी की मुख्य टंकी से पानी लेने का अधिकार दिलाने कि लिये सत्याग्रह चलाया।

1 जनवरी 1927 को डॉ अम्बेडकर ने द्वितीय आंग्ल – मराठा युद्ध, की कोरेगाँव की लड़ाई के दौरान मारे गये भारतीय सैनिकों के सम्मान में कोरेगाँव विजय स्मारक मे एक समारोह आयोजित किया। यहाँ महार समुदाय से संबंधित सैनिकों के नाम संगमरमर के एक शिलालेख पर खुदवाये। 1927 में, उन्होंने अपना दूसरी पत्रिका बहिष्कृत भारत शुरू की, और उसके बाद रीक्रिश्टेन्ड जनता की। उन्हें बॉंबे प्रेसीडेंसी समिति मे सभी यूरोपीय सदस्यों वाले साइमन आयोग 1928 में काम करने के लिए नियुक्त किया गया। इस आयोग के विरोध मे भारत भर में विरोध प्रदर्शन हुये, और जबकि इसकी रिपोर्ट को ज्यादातर भारतीयों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया, डॉ अम्बेडकर ने अलग से भविष्य के संवैधानिक सुधारों के लिये सिफारिशों लिखीं।

संविधान निर्माण

अपने विवादास्पद विचारों, और गांधी और कांग्रेस की कटु आलोचना के बावजूद अम्बेडकर की प्रतिष्[illegible] एक अद्वितीय विद्वान और विधिवेत्ता की थी। इसके कारण जब, 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार अस्तित्व मे आई तो उसने अम्बेडकर को देश का पहल कानून मंत्री के रूप में सेवा करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। 29 अगस्त 1947 को, अम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी के संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। अम्बेडकर ने मसौदा तैयार करने के इस काम मे अपने सहयोगियों और समकालीन प्रेक्षकों की प्रशंसा अर्जित की। इस कार्य में अम्बेडकर का शुरुआती बौद्ध संघ रीतियों और अन्य बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन बहुत काम आया।

संघ रीति मे मतपत्र द्वारा मतदान, बहस के नियम, पूर्ववर्तिता और कार्यसूची के प्रयोग, समितियाँ और काम करने के लिए प्रस्ताव लाना शामिल है। संघ रीतियाँ स्वयं प्राचीन गणराज्यों जैसे शाक्य और लिच्छवि की शासन प्रणाली के निदर्श (मॉडल) पर आधारित थीं। अम्बेडकर ने हालांकि उनके संविधान को आकार देने के लिए पश्चिमी मॉडल इस्तेमाल किया है पर उसकी भावना भारतीय है।

अम्बेडकर द्वारा तैयार किया गया संविधान पाठ मे संवैधानिक गारंटी के साथ व्यक्तिगत नागरिकों को एक व्यापक श्रेणी की नागरिक स्वतंत्रताओं की सुरक्षा प्रदान की जिनमें, धार्मिक स्वतंत्रता, अस्पृश्यता का अंत और सभी प्रकार के भेदभावों को गैर कानूनी करार दिया गया। अम्बेडकर ने महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक अधिकारों की वकालत की, और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए सिविल सेवाओं, स्कूलों और कॉलेजों की नौकरियों मे आरक्षण प्रणाली शुरू के लिए सभा का समर्थन भी हासिल किया, भारत के विधि निर्माताओं ने इस सकारात्मक कार्यवाही के द्वारा दलित वर्गों के लिए सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के उन्मूलन और उन्हे हर क्षेत्र मे अवसर प्रदान कराने की चेष्टा की जबकि मूल कल्पना मे पहले इस कदम को अस्थायी रूप से और आवश्यकता के आधार पर शामिल करने की बात कही गयी थी. 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद, बोलते हुए, अम्बेडकर ने कहा =

मैं महसूस करता हूं कि संविधान, साध्य (काम करने लायक) है, यह लचीला है पर साथ ही यह इतना मज़बूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों के समय जोड़ कर रख सके। वास्तव में, मैं कह सकता हूँ कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य अधम था।

1951 मे संसद में अपने हिन्दू कोड बिल के मसौदे को रोके जाने के बाद अम्बेडकर ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया इस मसौदे मे उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की मांग की गयी थी। हालांकि प्रधानमंत्री नेहरू, कैबिनेट और कई अन्य कांग्रेसी नेताओं ने इसका समर्थन किया पर संसद सदस्यों की एक बड़ी संख्या इसके खिलाफ़ थी। अम्बेडकर ने 1952 में लोक सभा का चुनाव एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें संसद के ऊपरी सदन यानि राज्य सभा के लिए नियुक्त किया गया और इसके बाद उनकी मृत्यु तक वो इस सदन के सदस्य रहे।

opensearch

देश में अलग-अलग जाति नहीं सिर्फ इंसान रहें

भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश और समाज में दलितों का सम्मान बढ़े और उन्हें वांछित अधिकार मिल सकें- यही चाहते थे डा. अंबेदकर।

स्वतंत्रता प्राप्ति में बड़े-बड़े नेताओं की अपनी भूमिका रही है, लेकिन सामाजिक न्याय के संदर्भ में डा. भीमराव अंबेदकर का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। डा. अंबेदकर का जीवन संघर्षों का एक सफरनामा है। इतने पढ़े-लिखे होने के बावजूद एक गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण उन्हें अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कांशीराम और मायावती जैसे राजनेताओं ने दलितों के आंदोलन को नई दिशा देने का ह्श्यास किया। काफी हद तक वे कामयाब भी रहे, लेकिन अंबेदकर का दृष्टिकोण इनसे पृथक था। उन्होंने अपने विचार और कार्यशैली से किसी भी स्तर पर दलित समाज को जो दिया, वैसा योगदान राष्ट्रहित को दृष्टिगत रखते हुए कोई नहीं दे सकता। वे चाहते थे कि भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश और समाज में दलितों का सम्मान बढ़े और उन्हें वांछित अधिकार मिल सकें।

अंतत: डा. अंबेदकर का संघर्ष रंग लाया। दलित कामयाबी की राह पर अग्रसर हुआ। शिखर पर पहुंचा, लेकिन धीरे-धीरे दलित आंदोलन में भटकाव आया। वह सामाजिक परिवर्तन को ताक पर रखकर समानता, भाईचारा और दलित आंदोलन को भूल बैठा और अवसरवादी समझौते करते हुए टुकड़ों में बंटता गया। इसके बावजूद दलित स्वर मुखर एवं देश की भागीदारी में शिखर स्वर है। अभी भी दलितों में राजनीतिक इच्छाशा ित का अभाव है। अन्य वर्गों की दलितों के प्रति सहानुभूति कभी परिलक्षित नहीं हुई। आज का दलित नेतृत्व भी मनोवैज्ञानिक पीड़ा, सामाजिक शोषण, आर्थिक दुर्दशा और मानसिक उत्पीड़न का शिकार है। ऐसे में कैसे अपेक्षा करें कि दलित अपनी अस्मिता को बचाकर रख सकता है? दलित अलग-अलग प्रतिध्रुव बना रहे हैं। दलित ही आपस में कई फाकों में विभ त हैं, योंकि आज की विषम परिस्थितियों में दलित नेतृत्व के पास न तो वैचारिक सोच है, न ही सामाजिक ढांचे को मापदंड में लाने का पैमाना जो डा. अंबेदकर की सोच को अंजाम दे सके। अंग्रेजों के शासनकाल में देश में 2000 जातियां थीं। इस कारण नेतृत्व में डा. अंबेदकर सबल थे। आज जातियां बंटकर 4000 हो गई हैं। कहने का भाव यह है कि उतने ही संवेग में दलितों को संघर्ष करना होगा, तभी इसका लाभ मिल सकेगा। इसीलिए अंबेदकर चाहते थे कि देश में जाति न रहे, इंसान रहे। फरवरी 1933 में इंग्लैंड के गार्जियन समाचार पत्र और अमरीका के न्यूयार्क टाइ स के प्रतिनिधि भारतीय नेताओं का इंटरव्यू लेने आए। गांधी, जिन्ना और डा. अंबेदकर ने उन्हें मिलने का अलग-अलग समय दिया। रात्रि नौ बजे से 11 बजे के बीच समय दिए जाने के बावजूद गांधी और जिन्ना सोए हुए मिले। दो बजे दोनों संवाददाता डा. अंबेदकर के पास पहुंचे। उन्होंने प्रश्न किया कि आप इतनी रात तक जाग रहे हैं, जबकि गांधी और जिन्ना तो हमें सोए हुए मिले। डा. अंबेदकर ने बड़े ही सहज भाव सें उत्तर दिया कि वे सोए हुए हैं, क्योंकि उनका समाज जाग रहा है और मैं इसलिए जाग रहा हूं क्योंकि मेरा समाज सोया हुआ है। वे अनभिज्ञ हैं, वे उनकी तरह जागरूक नहीं हैं। कहने का आशय है कि डा. अंबेदकर के विचारों के अनुकूल दलित नेतृत्व को नई दिशा देने वाला सही कर्णधार अभी दलितों में नहीं आ सका है। डा. अंबेदकर ने अपनी भोगी हुई पीड़ा से दलितों को दूर रखा। वे स्कूल में पढ़ नहीं सके, लेकिन दलितों को शिक्षा के अधिकार दिलाए। जो उन्होंने महसूस किया, उससे दलितों को दो-चार नहीं होने दिया लेकिन अंबेदकर को मानने वालों से कैसा व्यवहार किया जाता है, यह सर्वविदित है। डा. अंबेदकर का कहना था कि हमारा राष्ट्र हजारों जातियों में बंटा हुआ है, इसलिए हम एक राष्ट्र नहीं हो सकते। जब तक वर्णवादी व्यवस्था, जातिवाद कायम है, दलितों का उत्पीड़न एवं अत्याचार कम नहीं हो सकते। इसी मुद्दे पर उन्होंने गांधी से बड़ी मुश्किल से समझौता किया।

अंबेदकर की सोच थी कि संगठित होकर ही दलित सरकार बना सकते हैं, क्योंकि सुखभोगी सभी वर्ग अलग-अलग धर्मों में विभ त हैं। आज भी अनुसूचित वर्ग संगठित नहीं है, इसलिए तीसरी ताकत का गठन नहीं हो पा रहा है। कांशीराम के प्रयासों से दलित न केवल सत्ता में आए, बल्कि राष्ट्र की मुज्यधारा में भी शामिल हो गए, लेकिन उनके मु त के द्वार नहीं खुले। यही कारण है कि दलित वर्ग सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में व्याप्त अंतर्विरोधों को कम नहीं कर सका और कष्ट भोगने को मजबूर है। बाबासाहब अंबेदकर ने दलितों को शिक्षा, संगठन और संघर्ष का नारा दिया। डा. अंबेदकर को कानूनमंत्री से नवाजे जाने का श्रेय केवल उनकी काबिलियत को जाता है। उन्हें जहां भी अवसर मिला वह दलित विकास की संरचना लागू करते गए। चाहे वह समय गोलमेज परिषद का हो, संविधान निर्माण की बात हो या गांधी से टकराव हो। वे जानते थे कि किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन कर वे दलितों का विकास नहीं कर सकते। आज भी दलित निष्ठावश डा. अंबेदकर का दिली स मान करते हैं किंतु वोट दूसरी पार्टी को देते हैं। दलित इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि आज नहीं तो कल यह ब्राह्मणवादी और दलित गठबंधन सभी को दिखाई देगा। इसलिए वे न तो बसपा को वोट देते हैं, न मायावती को, वे तो बाबा साहब के अहसानों को चुकाने के लिए विवश हैं। डा. अंबेदकर द्वारा निर्मित प्रावधानिक संविधान के उपभोग करने के बाद दलितों ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा कि उनका समाज कहां है, इसलिए दलित राजनीति दिशाहीन हो गई है।

बौद्ध धर्म मे परिवर्तन

सन् 1950 के दशक में अम्बेडकर बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए और बौद्ध भिक्षुओं व विद्वानों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्रीलंका(तब सीलोन) गये। पुणे के पास एक नया बौद्ध विहार को समर्पित करते हुए, अम्बेडकर ने घोषणा की कि वे बौद्ध धर्म पर एक पुस्तक लिख रहे हैं, और जैसे ही यह समाप्त होगी वो औपचारिक रूप से बौद्ध धर्म अपना लेंगे।[9] 1954 में अम्बेडकर ने बर्मा का दो बार दौरा किया; दूसरी बार वो रंगून मे तीसरे विश्व बौद्ध फैलोशिप के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गये। 1955 में उन्होने भारतीय बुद्ध महासभा या बौद्ध सोसाइटी ऑफ इंडिया की स्थापना की। उन्होंने अपने अंतिम लेख, द बुद्ध एंड हिज़ धम्म को 1956 में पूरा किया। यह उनकी मृत्यु के पश्चात प्रकाशित हुआ। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अम्बेडकर ने खुद और उनके समर्थकों के लिए एक औपचारिक सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया. अम्बेडकर ने एक बौद्ध भिक्षु से पारंपरिक तरीके से तीन रत्न ग्रहण और पंचशील को अपनाते हुये बौद्ध धर्म ग्रहण किया। इसके बाद उन्होने एक अनुमान के अनुसार लगभग 500000 समर्थको को बौद्ध धर्म मे परिवर्तित किया।[9] नवयान लेकर अम्बेडकर और उनके समर्थकों ने हिंदू धर्म और हिंदू दर्शन की स्पष्ट निंदा की और उसे त्याग दिया। इसके बाद वे नेपाल में चौथे विश्व बौद्ध सम्मेलन मे भाग लेने के लिए काठमांडू गये। उन्होंने अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध या कार्ल मार्क्स को 2 दिसंबर 1956 को पूरा किया।

डा बी.आर. अम्बेडकर ने दीक्षा भूमि, नागपुर, भारत में ऐतिहासिक बौद्ध धर्म में परिवर्तन के अवसर पर,15 अक्टूबर 1956 को अपने अनुयायियों के लिए 22 प्रतिज्ञाएँ निर्धारित कीं.800000 लोगों का बौद्ध धर्म में रूपांतरण ऐतिहासिक था क्योंकि यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक रूपांतरण था.उन्होंने इन शपथों को निर्धारित किया ताकि हिंदू धर्म के बंधनों को पूरी तरह पृथक किया जा सके.ये 22 प्रतिज्ञाएँ हिंदू मान्यताओं और पद्धतियों की जड़ों पर गहरा आघात करती हैं. ये एक सेतु के रूप में बौद्ध धर्म की हिन्दू धर्म में व्याप्त भ्रम और विरोधाभासों से रक्षा करने में सहायक हो सकती हैं.इन प्रतिज्ञाओं से हिन्दू धर्म,जिसमें केवल हिंदुओं की ऊंची जातियों के संवर्धन के लिए मार्ग प्रशस्त किया गया, में व्याप्त अंधविश्वासों, व्यर्थ और अर्थहीन रस्मों, से धर्मान्तरित होते समय स्वतंत्र रहा जा सकता है.

सघन बसे इलाकों में कोविड-19 के फैलाव पर नियंत्रण के लिए दिशा निर्देश जारी

नीति गोपेंद्र भट्ट

नई दिल्ली। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय ने सघन बसे इलाकों में कोविड-19 के फैलाव पर नियंत्रण के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं। वाजिब खर्च के सफाई और शारीरिक तरीके अपनाएं और सामुदायिक शौचालयों तथा नहाने और कपड़े धोने की सुविधाओं को

बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करें। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्री डॉ हर्ष वर्धन के अनुसार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय देश में स्वास्थ्य ढांचागत सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए लगातार गंभीरता से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिल कर काम कर रहा है। इस समय कोविड-19 के 602 अस्पतालों में 106719 आइसोलेशन बिस्तर और 12024 आईसीयू बिस्तर हैं। देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के पुष्ट मामलों में कल से 1211 की बढ़ोतरी हुई हैं और 31 मौतें हुई हैं। 1036 लोगों को उपचार के बाद स्वस्थ होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गयी है ।

देश हित में लोक डाउन विस्तार का ज्वैलर्स एशोसियेसन ने किया स्वागत-राजू मंगोड़ीवाला

जयपुर (ओपन सर्च)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लागू देशव्यापी लॉकडाउन को 3 मई तक बढ़ाने की घोषणा का ज्वैलर्स एसोशियेसन ने स्वागत किया है।संस्था के कोषाध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि कोरोना महामारी मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान व निर्णय पर देश की जनता के सहयोग व अनुसरण से प्रधानमंत्री जी की साख को विश्व भर के देशों ने सराहा है।जिससे हर भारतवासी का मान बढ़ा है।मंगोडीवाला के अनुसार विकासशील व सीमित संसाधन के बावजूद संक्रमण पर रोक लगाने में समय पर लगाये पूर्व लॉकडाउन के प्रभावी नतीजे मिले हैं।

प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन में आज दूसरे चरण में लॉकडाउन का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने पर पूर्ण सहयोग करेगे ।ज्ञातव्य है कि ज्वैलर्स एसोशियेसन ने पूर्व में हुये लॉक डाउन में मेडिकल कॉलेज व एसएमएस अस्पताल को मदद कर ज्वैलर्स एसोशियेसन का जनोपयोगी भवन सहित 200 पीपीई किट व एन 95 मास्क सहित जयपुर के जरुरतमंद हजारों व्यक्तियों के लिये खाध सामग्री भी वितरित कर जनसहयोग का कार्य किया है। सचिव डी.पी.खंडेलवाल ने मोदी जी के मूलमंत्र स्वयं राष्ट्रे जागृयाम हम सभी राष्ट्र को जीवंत और जागृत बनाए रखेंगे पर अमल कर पूर्ण सहयोग के लिये जयपुर वासियों से अपील की है।

रबी फसलों की खरीद सुनिश्चित करने के लिए प्रयास जारी : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि रबी फसलों की खरीद सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें प्रयास कर रही हैं और आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चेन की बाधाओं को दूर करने की लगातार कोशिश की जा रही है। प्रधानमंत्री कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के मसले को लेकर देशवासियों को संबोधित कर रहे थे। कोरोना की कड़ी को तोड़ने में प्रभावी कदम के तौर पर किए गए 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन की अवधि को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने देशवासियों से तीन मई तक लॉकडाउन का पालन करने की अपील की।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बाबासाहेब आंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भाजपा आज बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती पूरे देश में मना रही है। इस मौके पर भाजपा ने सभी कार्यकर्ताओं को अपने अपने घर मे ही 'बाबा साहब' के चित्र पर माल्यार्पण करने को कहा है। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने निवास पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की चित्र पर माल्यार्पण कर की। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि आज के दिन को सेवा दिन के रूप में मनाया जाए। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में बाबासाहेब अंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और लोगों से उनके बताए हुए रास्ते पर चलने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाबा साहब हर चुनौती को परिश्रम और संकल्प से पार करने की प्रेरणा देते थे। गौरतलब है कि भाजपा अध्यक्ष की ओर से भाजपा शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्षों को पत्र लिखा गया है कि 14 अप्रैल को अपने अपने प्रदेश में नागरिकों के लिए एक वीडियो जारी करें। इसमें सेवा संकल्प लें और नागरिकों से भी बाबा साहब अंबेडकर के बताए रास्ते पर आगे चलने को प्रेरित करें।

कश्मीर में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 200 के पार पहुंची : अधिकारी

श्रीनगर.एजेंसी। कश्मीर घाटी में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की संख्या 200 के पार हो गई है। घाटी में इस महामारी से निपटने के लिए लगाये गये लॉकडाउन को मंगलवार को 27 दिन हो गये है। अधिकारियों ने बताया कि लोगों के एकत्र होने और गतिविधियों पर पाबंदियां लगाने के लिए सुरक्षा बलों ने घाटी के प्रमुख स्थानों पर मुख्य सड़कों को सील कर दिया है और कई स्थानों पर अवरोधक लगाये हैं। उन्होंने बताया कि केवल वैध पास के साथ ही लोगों को आवागमन की अनुमति दी जा रही है। इस बीच घाटी में बाजार बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन सड़कों से नदारद रहा।

मुख्यमंत्री ठाकुर किसानों को फसल कटाई के दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित किया

शिमला (ब्यूरो)

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज यहां से प्रदेश के उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रस के माध्यम से बात करते हुए निर्देश दिए कि क्वारंटीन केन्द्रों में रखे गए लोगों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएं ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए कि किसानों को फसल कटाई के दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाए और उनके उत्पादों के प्रापण के लिए भी उचित कदम उठाए जाएं। उन्होंने बागवानों को पर्याप्त मात्रा में उनके घरों के समीप फफूंदनाशक और अन्य पौध संरक्षण सामग्री उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बागवानों को उनके उत्पादों की पैकिंग के लिए बॉक्स उपलब्ध करवाए जाएं। जय राम ठाकुर ने कहा कि लोगों को आवश्यक सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित बनाई जाए। उन्होंने अधिकारियों से अपने जिलों में लोगों को घरों पर ही आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित बनाने के लिए प्रणाली सुदृढ़ करने के लिए कहा ताकि लोगों को अपनी जरूरतों का सामान खरीदने के लिए घरों से बाहर आने की आवश्यकता न रहे। उन्होंने जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर भी कड़ी नजर रखने के भी निर्देश दिए और कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अभी तक 5637 लोगों को कोरोना वायरस से निगरानी के अन्तर्गत रखा जा चुका है, जिनमें से 3486 लोगों ने 28 दिन की निगरानी की अनिवार्य अवधि पूरी कर ली है। प्रदेश में आज कोविड-19 के लिए 97 लोगों की जांच की गई जिनमें से 28 सैंपल नेगेटिव पाए गए हैं जबकि 69 सैंपल की रिपोर्ट आनी बाकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस के लिए अभी तक 1210 लोगों की जांच की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक दूरी को हर हालत में सुनिश्चित बनाया जाए और किसी भी प्रकार की सामाजिक सभाओं को मंजूरी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अन्तरराज्यीय गतिविधियों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाए ताकि राज्य में कोरोना वायरस का संक्रमण आगे न बढ़ सके। शिक्षा मंत्री सुरेश भारद्वाज, मुख्य सचिव अनिल खाची, पुलिस महानिदेशक एस.आर. मरडी, अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज कुमार और आर.डी. धीमान, प्रधान सचिव जे.सी. सचिव व ओंकार चन्द शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव संजय कुंडू, सचिव रजनीश और सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के निदेशक हरबंस सिंह ब्रसकोन बैठक में शामिल हुए।

पशु पक्षियों के लिए स्नेह करुणा के भाव जिंदा है : शारदा चौधरी

गौरक्षा जीवदया समिति निरीह प्राणियों के लिए नित्य दाने-पानी व भोजन की कर रही हैं व्यवस्था

बेंगलुरु (ओपन सर्च)

किसी देश की महानता और नैतिकता की प्रगति का अंदाजा उस देश के वाशिंदों के पशु पक्षियों के प्रति व्यवहार को देखकर लगाया जा सकता है। लोकडाउन के दौरान पशु-पक्षियों के प्रेम की ऐसी ही कहानी में शारदा चौधरी का किरदार भी अग्रणी पंक्ति में बतौर नायिका के रूप में दिखाई देता है। जिनकी टीम के लोग अपनी जान पर खेलकर लोक डाउन के दौरान पशु-पक्षियों के लिए दाने-पानी अथवा भोजन-चारे की व्यवस्थाओं में जुटे हैं अर्थात इंतजाम कर रहे हैं।

ऐसे पशु पक्षी प्रेमी निश्चित ही सेल्यूट के हकदार भी हैं। यानी जहां वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस शरीर की महामारी और लोक डाउन के चलते दुनिया भर में सब कुछ थम सा गया है सरकार भले ही मदद का हाथ बढ़ा रही है। वहां गौरक्षा जीवदया समिति बेंगलुरु की टीम सामूहिक समन्वय से राजधा[illegible] की प्रत्ये[illegible] गौशाला के लिए [illegible] व्यवस्था कर रही है। उधर कहने [illegible] तो वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इन निरीह पशु-पक्षियों को किसी प्रकार से राहत मिली हुई है अर्थात परिंदों के लिए तो हवाएं शुद्ध हो ही गई है, लेकिन इनके दाने-पानी का संकट लाजमी है। जहां [illegible] पर [illegible] वाले लोग अपनी [illegible] पक्षी प्रेम[illegible] मानवता के [illegible] जीवदया के तहत इन प्राणियों की मदद में जुटे हुए हैं। शारदा चौधरी जो कि गौरक्षा जीवदया समिति व श्री चन्द्रप्रभ जीवदया गौशाला समिति से जुड़ी है उनके साथ में ऐसी अनेक महिलाएं हैं जो [illegible] रूप [illegible] इस [illegible] भागीदार बनी [illegible] इन [illegible] पुष्प [illegible] चोपड़ा, [illegible] कलाबावत, [illegible] बाफना, मंजू खाण्टेड, सुशीला भंसाली, नंदा मेहता, अनिता दांतेवाडिया, चंद्रा शर्मा, ललिता गुलेच्छा व आशाबेन भोजानी आदि हैं, जिनका एक ही उद्देश्य है कि कोई भी जीव भूखा न रहे। इसी के मद्देनजर इनके द्वारा शहर की प्रत्येक गौशालाओं में प्रतिदिन चारे-पानी व फलों आदि का वितरण तथा चुग्गा घरों में अनाज-दाने डलवाये जा रहे हैं। बेजुबानो के भोजन-पानी की चिंताओं को दूर करने में शारदा चौधरी के साथ ये श्रद्धावान महिलाएं अलग-अलग तरीकों से व्यवस्थाएं सुचारू कर रही हैं। वर्ष 2016 से सक्रिय इस समिति द्वारा नियमित रुप से गौशालाओं में सहयोग के साथ-साथ साध्वीवृन्द की वैयावच्च विहार सेवा में भी भागीदारी अथवा योगदान सक्रियता से रहता है। शारदा चौधरी कहती है कि समाज में स्नेह, करुणा के भाव भौतिकता के दौर में भी जिंदा है। वे एक मशहूर गीत को गुनगुनाते हुए कि, पंछी-नदियां-पवन के झोंके-कोई सरहद ना इन्हें रोकें.. के साथ यह भी कहती हैं कि निश्चित ही हर सब का सत्प्रयास सार्थक है तो मूक प्राणियों के लिए भी प्रत्येक नागरिक को आगे आकर मदद करनी ही चाहिए।

opensearch

राष्ट्रसंत, युग प्रभावक, आचार्यश्रीमद् विजय जयंतसेनसूरीश्वरजी म.सा. की तृतीय वार्षिक पुण्यतिथि मनाई

बेंगलुरु (ओपन सर्च)

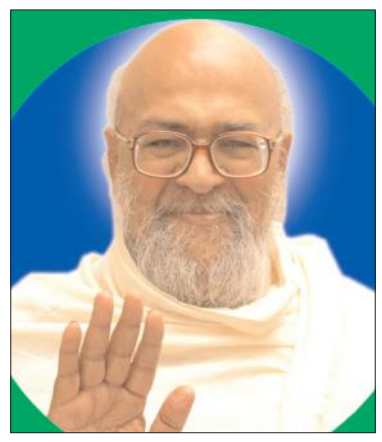

अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद द्वारा राष्ट्रसंत, युग प्रभावक, आचार्यश्रीमद् विजय जयंतसेनसूरीश्वरजी म.सा. की तृतीय वार्षिक पुण्यतिथि मंगलवार को मनाई गई। तृतीय वार्षिक पुण्यतिथि निमित्त वेशाख वदि सप्तमी (पुण्य सप्तमी) को परिषद शाखा बेंगलूरु द्वारा सुबह गोशाला में घास एवं कचुग्गा घरों में पक्षियों के लिए अनाज दाना डाला गया। इस दौरान सुश्राविका प्रेमा बहन मोंगिलाल गांधी मुथा के निवास पर दोपहर 2 बजे से गुरुदेवश्रीजी को पुष्पांजलि अर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इससे पहलेसुबह दीप प्रज्वलित कर आरती की गयी। युवा परिषद अध्यक्ष डुंगरमल चोपडा, मांगीलाल, प्रकाश बालर एवं महिला परिषद अध्यक्ष प्रेमा बहन की उपस्थिति में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए भावपूर्ण संक्षिप्त रुप से गुरू सप्तमी मनायी गयी। चोपड़ा ने बताया कि दौराने कार्यक्रम परिषद सदस्यों द्वारा ? ह्री श्री जयंतसेनसूरि गूरुभ्यो नमः का जाप किया गया।

प्रति किसान रबी फसल की खरीद 25 क्विंटल से बढ़ाकर 40 क्विंटल करते हुए मोदी सरकार ने बढ़ाया अन्नदाताओं का हौंसला : केंद्रीय मंत्री चौधरी

कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि अनाज की सरकारी खरीद होने से पीएम-किसान के जरिए 16000 करोड़ के डायरेक्ट कैश ट्रांसफर से अब संकटकाल में किसानों को मिलेगी मदद

जयपुर/बाड़मेर (ओपन सर्च)

कोरोना लोकडॉउन के कारण किसानों की परेशानी को देखते हुए मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी एवं परषोतम रुपाला ने अधिकारियों के साथ बैठक में कई राहत कदम उठाए। बैठक के बाद कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने बताया कि सरकारी एजेंसियों की ओर से अनाज की खरीदारी बढ़ाते हुए रबी की फसल प्रति किसान 25 किवंटल से बढ़ाकर 40 किवंटल कर दी गई है। इसके साथ ही किसानों के उत्पाद की खरीद की रिपोर्ट मिलने के तीन कार्यदिवस में भुगतान कर दिया जाएगा।

किसानों के लिए अभी क्यों जरूरी है सरकारी खरीद?

कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि किसानों के लिए सरकारी खरीद अभी ज्यादा अहम हो गई है क्योंकि कोरोना लॉकडाउन के कारण किसान अपनी उपज प्राइवेट ट्रेडर्स को नहीं बेच पा रहे हैं। चौधरी ने कहा, इन दिनों फूड प्रोसेसिंग कंपनियां किसानों से बड़ी मात्रा में खरीदारी करती हैं, लेकिन अभी वे ऐसा नहीं कर पा रही हैं।

किसानों के लिए कृषि मंत्रालय ने जारी की नई गाइडलाइन = केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान कृषि की हालत खराब नहीं हो, इसलिए केंद्र सरकार ने किसानों को कई तरह की छूट दी है। खेती से जुड़े कार्यों, मशीनरी, उर्वरक, खाद-बीज की दुकानों, कृषि उपज मंडियों व एजेंसियों को लॉकडाउन से बाहर कर दिया है। यानि अब किसान आराम से खेत पर जा सकेंगे। ट्रैक्टर से जुताई, कंबाइन मशीन से फसल काट सकेंगे। नजदीकी कस्बों से बीज, डीएपी व यूरिया खरीद सकेंगे। अपनी फसल को मंडी पहुंचा सकेंगे। दूसरे शहर या राज्यों से फसल कटाई में काम आने वाली मशीनों को मंगा सकेंगे। यानि अब लॉक डाउन से कृषि कार्य प्रभावित नहीं होंगे।

किसानों को 16000 करोड़ रुपये ट्रांसफर =

कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने कोरोना संकट को देखते हुए पीएम-किसान योजना के तहत 8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 16000 करोड़ रुपये भी ट्रांसफर किए हैं।

इस तरह किसानों को 6000 रुपये की तीन किस्तों में कैश बेनिफिट मिला है। अब तक इससे 7.47 करोड़ किसानों को लाभ मिला है। केंद्र ने एमएससी पर दालों की खरीदारी के लिए 1,250 करोड़ रुपये भी मंजूर किए हैं। इससे भी किसानों को मदद मिलेगी।

मध्यप्रदेश में संक्रमित मरीजों की संख्या 722 पहुंची

भोपाल.एजेंसी।

मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमित मरीजों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां सबसे अधिक कोरोना संक्रमित शहर इंदौर में मंगलवार को सुबह महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज द्वारा जारी रिपोर्ट में 74 नये कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं। इसके साथ ही इंदौर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 362 से बढकर 436 हो गई है, जबकि प्रदेश में कुल मरीजों का आंकड़ा बढकर 722 पर पहुंच गया है। नये मरीजों में दो चिकित्सक, एक पत्रकार और एक मेडिकल दुकान संचालक भी शामिल है। वहीं, मध्यप्रदेश में कोरोना से अब तक 50 लोगों की जान चुकी है। इनमें सबसे अधिक इंदौर के 35 लोग शामिल है। इंदौर के सीएमएचओ डॉ. प्रवीण जडिया ने बताया कि महात्मा गांधी मेडिकल कालेज द्वारा मंगलवार सुबह 91 कोरोना पॉजीटिव मरीजों की सूची जारी की थी, लेकिन सूची में कुछ नाम रिपीट हो गए थे। साथ ही पूर्व से कोरोना पॉजीटिव मरीजों की दोबारा जांच कराई गई थी और वे दूसरी जांच में भी संक्रमित पाए गए हैं। इस कारण सूची की समीक्षा के बाद कुल 74 नए कोरोना मरीज सामने आए हैं। इसके साथ ही इंदौर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 436 हो गई है। नये मरीजों में दो डॉक्टर, एक पत्रकार और मेडिकल स्टोर संचालक के साथ ही इंदौर विकास प्राधिकरण के पीआरओ की पत्नी भी कोरोना पॉजीटिव पाई गई है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढकर 722 हो गई है। इनमें सबसे अधिक इंदौर में 436 के अलावा, भोपाल में 142, जबलपुर 10, ग्वालियर 06, शिवपुरी 02, उज्जैन 24, खरगौन 17, मुरैना 14, छिंदवाड़ा 04, बड़वानी 14, बैतूल 01, विदिशा 13, श्योपुर 02, होशंगाबाद 15, खंडवा 05, रायसेन 04, देवास 04, धार 02, सागर 01, शाजापुर 01, मंदसौर 01, रतलाम 01, सतना 02 तथा एक मरीज अन्य राज्य का शामिल है।

रायपुर शहर में पीलिया की स्थिति नियंत्रण में, प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिदिन लग रहा हेल्थ कैंप,6 पीड़ित मरीज हुए स्वस्थ

रायपुर (ब्यूरो)

रायपुर नगर निगम के विभिन्न इलाकों में पीलिया का प्रकोप अब नियंत्रण की स्थिति में है। दर्जन भर मोहल्लों एवं बस्तियों में पीलिया के प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन क्षेत्रों में निरंतर निगरानी एवं हेल्थ कैंप लगाकर प्रभावितों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं नियमित इलाज किया जा रहा है। पीलिया नियंत्रण कार्यक्रम के स्टेट नोडल अधिकारी एवं संयुक्त संचालक डॉ. पाण्डेय ने बताया कि भर्ती मरीजों में से छह मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। वर्तमान में भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य में लगातार सुधार जारी है।

डॉ. सुभाष पाण्डेय ने बताया कि रायपुर के चंगोराभाठा, ईदगाहभाठा, खो-खो पारा, मठपुरैना, स्वीपर कॉलोनी, भैरवनगर, शिवनगर, आमापारा, पुरानीबस्ती, दलदल-सिवनी, नंदनवन-अटारी, बंधुवापारा, कुशालपुर में दूषित पेयजल के सेवन से पीलिया हुआ है। अभी तक की जांच में दूषित पेयजल से प्रभावित लोग हेपेटाईटिस-ए एवं हेपेटाईटिस-ई से ग्रसित पाए गए है। उन्होंने बताया कि इन सभी क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक कैंप लगाकर लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर रहे है। उन्होंने बताया कि ए.एन.एम., मितानिन द्वारा डोर-टू-डोर सम्पर्क कर लोगों कैंप में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए लाया जा रहा है। हेपेटाईटिस तथा बिलिरूबिन के बढ़े होने की दशा में संबंधितों के ब्लड सैंपल की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि कैंप के माध्यम से पीलिया प्रभावितों को आवश्यक परामर्श एवं दवाएं दी जा रही है। लोगों से स्वच्छ एवं ताजा भोजन करने, खान-पान में विशेष सावधानी बरतने तथा पानी उबालकर पीने की सलाह दी जा रही हैं। उक्त प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत परिवारों को क्लोरीन की टेबलेट भी निःशुल्क रूप से दी जा रही है, साथ ही टेबलेट से पेयजल शुद्धिकरण का तरीका भी बताया जा रहा है।

कोरोना वायरस : डब्ल्यूएचओ ने की भारत में लॉकडाउन बढ़ाने के फैसले की सराहना

नई दिल्ली (ओपन सर्च)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत में लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने के फैसले की विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सराहना करते हुये कहा है कि भारत की यह पहल कोरोना को परास्त करने के लिये समय से उठाये गये कठोर कदम का परिचायक है। मोदी द्वारा 25 मार्च को लागू किये गये लॉकडाउन की अवधि 14 अप्रैल से बढ़ाकर तीन मई तक करने की घोषणा की गई है। डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक डा पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा, कोरोना को रोकने के लिये, समय से किये गये भारत के कठोर फैसले की डब्ल्यूएचओ सराहना करता है। संक्रमण को रोकने के लिये मरीजों की संख्या में कितनी कमी आयेगी, अभी बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन लोगों के बीच सुरक्षित दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) बनाये रखने सहित अन्य प्रभावी उपायों को करने में छह सप्ताह का देशव्यापी लॉकडाउन, वायरस के संक्रमण को बढ़ने से रोकने में मददगार साबित होगा। डॉ सिंह ने कहा कि बहुत सी बड़ी चुनौतियों के बावजूद, इस महामारी को परास्त करने में भारत पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस वायरस को परास्त करने के लिये परीक्षा की इस घड़ी में प्रत्येक व्यक्ति से अधिकतम योगदान अपेक्षित है। भारत में कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। देश में पिछले 24 घंटे में 1211 मामले सामने आने के बाद कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 10363 हो गई है। वहीं, पिछले 24 घंटे में कोरोना से 31 लोगों की मौत हुई है, जिससे कोविड-19 महामारी से मरने वालों का आंकड़ा 339 पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना वायरस के कुल 10363 मामलों में से 8988 एक्टिव केस हैं।

अकेलेपन के इस समय में लोगों को उम्मीद देगी 'हाफ फुल': नसीरुद्दीन शाह

लघु फिल्म 'हाफ फुल' में अपनी अदायगी से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने वाले अभिनेता नसीरुद्दीन शाह का मानना है कि यह फिल्म ऐसे समय में उम्मीद देती है जब कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन की वजह से अधिकतर लोग घरों में बंद हैं।

इस फिल्म का निर्देशन करण कवल ने किया है और इसमें विक्रम मैस्सी ने भी अभिनय किया है। यह लघु फिल्म एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जिसे अपनी जिंदगी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लेना होता है, तभी उसकी मुलाकात एक बुजुर्ग व्यक्ति से होती है। इस मुलाकात के बाद उस व्यक्ति का जीवन, मौत और अपने प्रति नजरिया बदल जाता है।

शाह ने कहा कि यह अजीब संयोग है कि मौजूदा समय में इस फिल्म का विषय अधिक प्रासंगिक हो गया है।शाह ने कहा, ''जब यह फिल्म बनी थी, तब ऐसी कोई स्थिति नहीं थी। मैं कहूंगा कि फिल्म मौजूदा हालात में और प्रासंगिक हो गई है। मुझे भरोसा है कि आज कई लोग फिल्म के युवा नायक के साथ स्वयं को जोड़ पाएंगे... यह उम्मीद देने वाली फिल्म है। आज जब हमारे चारों ओर अकेलापन है, ऐसे में यह फिल्म लोगों को इससे पार पाने में मदद कर सकती है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वेब के लिए बन रहीं लघु फिल्में युवाओं को अपनी कला पेश करने का अवसर देती हैं। वे लाखों या करोड़ों रुपए के नुकसान, करियर को खतरे में डालने के भय और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की चिंता किए बिना अभिनय कर सकते हैं।'' 'जी5' अपने 'लघु फिल्मोत्सव' में नौ फिल्मों को दिखाएगा जिनमें 'हाफ फुल' भी शामिल है।

इस फिल्म का प्रीमियर 15 अप्रैल को होगा। इससे पहले 'इंटीरियर कैफे नाइट', 'रोगन जोश' और 'द वॉलेट' जैसी लघु फिल्मों में काम कर चुके शाह का कहना है कि इन फिल्मों के लिए अपेक्षाकृत कम समय की आवश्कयता होती है, इसलिए वे इनमें काम करने को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नई एवं उभरती प्रतिभाओं के साथ काम करके हमेशा खुशी मिलती है। 'निशांत', 'जाने भी दो यारों', 'मंडी', 'स्पर्श', 'उमराव जान', 'वो सात दिन', 'सरफरोश' और 'अ वेडनसडे' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय कर चुके शाह अब नए अभिनेताओं को प्रशिक्षित करना चाहते है। उन्होंने कहा कि वह अभिनेताओं को प्रशिक्षित करने के लिए तकनीक खोज रहे हैं और वह पिछले 20 साल से इस कार्य में लगे हैं।

क्वारंटाइन में कैटरीना की कतल तस्वीरें देखकर बहलाएं अपना दिल... सोचे जल्द खत्म होगा लॉकडाउन

घर पर है तो आप काफी कुछ कर सकते हैं हम आपकों दिखाते है बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैट की कुछ किलर लुक की तस्वीरें जो आपको उनका दीवाना बना देंगी। कैटरीना कैट आखिरी बार सलमान खान के साथ फिल्म भारत में नजर आयी थी। इसके अलावा कैट एक बार फिर अक्षय कुमार के साथ फिल्म सूर्यवंशी में नजर आने वाली थी लेकिन लॉकडाउन के कारण ये फिल्म सिनेमाघरों में नहीं रिलीज हुई।

कैटरीना कैट इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है। लॉकडाउन के दौरान वह घर पर क्या-क्या कर इस सब की जानकारी वह सोशल मीडिया पर दे रही हैं। इस समय कैटरीना कैट अपनी पुरानी और हॉट तस्वीरे भी सोशल मीडिया पर काफी शेयर कर रही है। कैटरीना की इन खूबसूरत तस्वीरों को देखकर आप भी घर पर उनके जैसा मेकअप या लुक लेकर देख सकती है कि ये लुक आप पर कैसा लगेगा। बॉलीवुड की एक्ट्रेस से अधिकतर लड़कियां प्रभावित होती हैं उसके लिए ये अच्छा समय है ये जानने के लिए कि नॉर्मल लाइफ में सितारे कैसे रहते हैं।

देश में कोरोना वायरस का संक्रमण न बढ़े जिसके लिए पूरे देश को लॉकडाउन कर दिया गया है। 21 दिनों से लोग अपने घरों के अंदर बैठे हुए है। लॉकडाउन होने के बावजूद कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हां अभी दूसरे देशों जैसे भारत के हालात नहीं है क्योंकि सरकार ने सही समय पर फैसला किया और महामारी को बढ़ने से रोका है। माना जा रहा है लोकडाउन बढ़ने की भी संभावना है। तो ऐसे में आप परेशान न हो, बुरा वक्त है टल जाएगा, क्योंकि वक्त कभी स्थाई नहीं होता परिस्थितियां बदलती रहती है। तो आप भी इस समय अगर घर पर है तो ज्यादा मत सोचिए क्योंकि सोच कर कुछ मिलने वाला नहीं है। घर से बाहर निकले तो पुलिस खड़ी है स्वागत के लिए। इस लिए अच्छा है घर पर परिवार के साथ एंजोय करें।

सीता के अवतार में बदली उर्वशी रौतेला, बदलाव देखकर फैंस को लगा बड़ा झटका

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर अपनी धमाकेदार फोटोज शेयर करके अपने फैंस का मनोरंजन करती है। बॉलीवुड अदाकाराओं में से सबसे ज्यादा सोशल मीडिया पर चाहने वाले उर्वशी रौतेला के हैं। हाल ही में उर्वशी मे 25 मीलियन फॉलोअर्स का रिकॉर्ड बनाया हैं। उर्वशी रौतेला भले एक्ट्रेस हैं लेकिन वो सुर्खियों में अपनी फिल्मों का वजह से कम अपनी बोल्ड तस्वीर और अपनी अफेयर की खबरों को लेकर ज्यादा चर्चा में रहती हैं। जब से देश में लॉकडाउन हुआ है तब से उर्वशी सोशल मीडिया पर रोज एक से एक सेक्सी तस्वीरें शेयर करके लोगों को अपना दीवाना बना रही हैं। उर्वशी के इंस्टाग्राम पर एक नजर डाले तो आपको उर्वशी की एक से एक सेक्सी तेस्वीरें और वीडियो देखने को मिलेंगे लेकिन आज उर्वशी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसी तस्वीर शेयर की है जो अब तक की उनकी सभी तस्वीरों से बिलकुल अलग है। उर्वशी ने जो तस्वीर शेयर की है उनमें उन्होंने सीधे पल्ले में गुजराती साड़ी पहनी हुई है। उन्होंने इस दौरान बहुत ही सिम्पल मेकअप किया है और ज्वैलरी में उन्होंने बस गले में एक काले रंग का मंगलसूत्र की तरह दिखता एक नेकलेस पहना हुआ है। उर्वशी का ये बदला हुई रूप देख कर उनके फैंस हैरान हैं। उर्वशी की इस तस्वीर पर तरह-तरह के कमेंट आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है कि इस समय रामायण का दौर चल रहा है तो उर्वशी पर भी इसका खुमार चढ़ गया है इस लिए उन्होंने सीता का लिबास पहल लिया है। एक यूजर ने उर्वशी के लिए कहा- कि आपने कैसे सेस्सी से सीता का अवतार ले लिया है।

डॉक्टरों के साथ बुरा बर्ताव करने वालों पर भड़के अजय देवगन, ट्वीट किया पोस्ट

अभिनेता अजय देवगन ने कहा है कि देश कोरोना वायरस के संकट से जूझ रहा है और ऐसे वक्त में स्वास्थ्यकर्मियों पर हमलों की खबरों से वह 'निराश' हैं।

'ताण्हाजी- द अनसंग वारियर' के अभिनेता देवगन का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब उनसे पहले बॉलीवुड के कई कलाकार देश के विभिन्न हिस्सों में कोविड-19 से लोगों को बचाने में लगे चिकित्सकों तथा अग्रिम मोर्चों पर तैनात कर्मियों पर पथराव, उनके साथ मारपीट करने की घटनाओं की निंदा कर चुके हैं।

अभिनेता ने ट्वीट किया,''ऐसी रिपोर्ट पढ़कर निराश और क्रोधित हूं कि 'पढ़े लिखे' लोग निराधार अनुमान लगा कर अपने पड़ोस में रहने वाले चिकित्सकों पर हमले कर रहे हैं। ऐसे असंवेदनशील लोग सबसे बुरे अपराधी हैं। सुरक्षित रहिए,घरों में रहिए।'' इससे पहले ऋषि कपूर, जावेद अख्तर, हेमामालिनी, परेश रावल जैसे कलाकार चिकित्सकों पर हमलों की निंदा कर चुके हैं।

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के बीच किसी तीसरे शख्स की एंट्री, कौन रह रहा है घर में साथ?

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की जोड़ी को लोग काफी पसंद करते हैं। दोनों के बीच एक लंबा रिलेशनशिप चला और फिर दोनों ने अपने आपको शादी के पवित्र बधंन में बाध दिया। दोनों पिछले दो सालों से साथ है। लॉकडाउन के दौरान भी दोनों साथ में ही अपना वक्त बीता रहे हैं। कोई भी हो ये स्वाभाविक है कि एक ही जगह घर के अंदर लंबे समय तक रहते-रहते बोरियत होने लग जाती है। अनुष्का-विराट का लाइफस्टाइल काफी लग्जरी है तो उन्हें ज्यादा तो नहीं लेकिन थोड़ी बहुत बोरियत तो हो ही जाती होगी। बॉलीवुड की ये फेवरेट जोड़ी सोशल मीडिया लॉकडाउन के दौरान काफी पोस्ट कर रही हैं। पोस्ट की माध्यम से ये लोगों को ये भी संदेश दे रहे हैं कि घर से बाहर न निकले और घर पर रहें। साथ-साथ दोनों घर पर क्या कर रहे हैं उसकी भी तस्वीरें शेयर करते हैं।

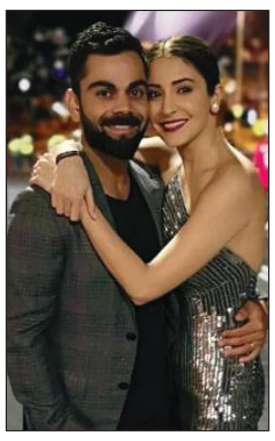

हाल ही मे विराट कोहली ने जो तस्वीर शेयर की है उससे ये लग रहा है कि लॉकडाउन में दोनों के बीच कोई तीसरा भी रह रहा है जिससे दोनो का काफी लगाव है। विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें विराट अनुष्का के साथ उनका पेट डॉग (क्ष्ह्लल्ल ष्ठश्द्द)भी उनके साथ दिखाई पड़ रहा है। अनुष्का का तो अपने डॉग के लिए काफी गहरा प्यार देखने को मिल रहा है। अनुष्का तस्वीर में डॉग को किस करती नजर आ रही हैं। विराट ने भी डॉग को अपने उपर लिटा रखा है।

आपको बता दें कि देश में कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन हैं। पीएम की अपील के अनुसार 14 अप्रैल को लॉकडाउन खत्म होने की संभावना थी लेकिन बढ़ते मरीजों को देखते हुए लॉकडाउन को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। विराज और अनुष्का दोनों अपने अपने काम में काफी बिजी रहते हैं ऐसे में दोनों को काफी समय मिल गया है साथ रहने के लिए । काम की बात करें तो अनुष्का लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं। शायद अनुष्का शर्मा ने बॉलीवुड छोड ने का मन बना लिया है।

बॉलीवुड के विलेन 'जयकांत शिकरे' बने रियल हीरो, फॉर्म हाउस में 30 लोगों की कर रहे हैं देखभाल

कोरोना वायरस के कारण देश के सभी लोग घरों में परिवार के साथ टाइम बिता रहे हैं। इस बीच सेलेब्स घरों में क्या-क्या करके अपना टाइम पास कर कर रहे हैं, इसकी जानकारी वे सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फैन्स को देते रहते हैं। वहीं, अब बॉलीवुड के जयकांत शिकरे यानी प्रकाश राज का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में प्रकाश राज अपने बेटे वेदांत के साथ नजर आ रहे हैं। प्रकाश बेटे वेदांत की बछड़े से दोस्ती कराते दिख रहे हैं। प्रकाश राज का ये वीडियो खूब देखा जा रहा है। बता दें कि इन दिनों प्रकाश अपने फॉर्म हाउस में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह लॉकडाउन के दौरान फॉर्म हाउस पर कुछ लोगों की देखभाल भी कर रहे हैं।

उन्होंने इस वीडियो को ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'लॉकडाउन बढ़ गया है। प्रकाश राज फाउंडेशन हजारों परिवारों तक पहुंच चुका है। अब मेरे साथ फॉर्म पर 30 साथी फंसे हुए हैं। उनकी देखभाल करता रहूंगा। सरकार के साथ सहयोग करें।'

इससे पहले प्रकाश ने ट्वीट करते हुए बताया था कि वह हर दिन 250 बेघरों को कोवलम में खाना खिला रहे है। उन्होंने कहा था कि यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, हमारी भी है। चलिए अपने आस-पास के एक परिवार की मदद करें।

रामायण के टेलीकास्ट को लेकर दूरदर्शन पर उठे रहें लगातार सवाल, चैनल के सीईओ ने समाने आकर दी सफाई

लॉकडाउन में दूरदर्शन पर कई पुराने टीवी शो की वापसी हुई है। दूरदर्शन पर पर सबसे पहले रामायण और महाभारत का रिपीट टेलीकास्ट किया गया। रामायण को एक बार फिर लोगों का वहीं प्यार मिला। रामायण ने टीआरपी के पिछले पांच सालों के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। पुराने सीरियल को वापस शुरू करने के बाद दूरदर्शन की टीआरपी में भी काफी इजाफा हुआ है।

रामायण की बात करें तो दूरदर्शन पर सबसे ज्यादा देखने वाला शो इस समय रामायण है। सोशल मीडिया पर भा रामायण का क्रेज देखने को मिला है। रामायण के टेलीकास्ट को लेकर पहले भी कई सवाल उठे थे कि शो को टेलीकास्ट करने के दौरान लापरवाही बरती जा रही हैं। राम नवमी के दिन जहां घरों में जश्न का माहौल था वहीं रामायण में शोक दिखाया गया। टीवी पर किस दिन कौन सी चीज टेलिकास्ट होगी इसकी प्लानिंग पहले से की जाती है।

अब रामायण के उपर एक बड़ा आरोप लगा है। सोशल मीडिया पर रामायण पर आरोप लगाए गये है कि दूरदर्शन ने मोजर बेयर डीवीडी के जरिए चैनल पर रामायण का प्रसारण कर रहा है। नेहा नाम की इस यूजर ने ट्वीट करते हुए कहा कि इस ट्वीट के लिए मैं माफी चाहूंगा। लेकिन दूरदर्शन रामायण को एक मोजर बेयर डीवीडी के जरिए चला रहा है वो भी वॉटरमार्क के साथ।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2014/56301
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबइल : 9210092542 फोन :- 011-27380260 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

opensearch